R. K. Advertising
के माध्यम से 'जैन गजट' में विज्ञापन बुक कराने हेतु सम्पर्क करें-
शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता-जैन गजट
मो. 9667168267
रोहित कुमार पाटनी, डायरेक्टर
(आर. के. एडवरटाइजिंग)
मो. 8003892803
ईमेल
rkpatni77@gmail.com

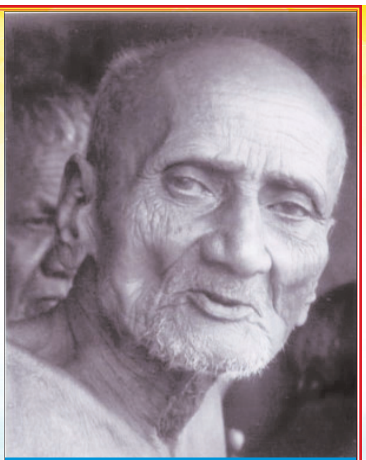

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

600 से भी अधिक छात्र-छात्राओं को दी गई स्कॉलरशिप पृष्ठ 03 पर...

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 31 अंक 36 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 07 जुलाई 2025, वीर नि. संवत् 2550

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

इतिहास में पहली बार श्री गिरनार जी की पावन धरा पर भगवान नेमिनाथ की निर्वाण स्थली में गूंजा जैन समाज का राष्ट्रीय स्वर

मोक्षमार्ग के महावीर, गिरनार के गौरवधीर। भगवान नेमिनाथ को वंदन, मोक्ष कल्याणक दिवस को नमन

दिनांक 2 जुलाई 2025, बुधवार, आषाढ़ शुक्ल सप्तमी। गुजरात स्थित श्री गिरनार पर्वत की पंचम टोंक से जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान नेमिनाथ जी ने आषाढ़ शुक्ल सप्तमी को मोक्ष प्राप्त किया, जैन धर्म की अत्यंत पावन व तीर्थ भूमि मानी जाती है। इस पावन मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर गिरनार जी में देश भर से आए श्रद्धालु ने निर्वाण लाडू बड़ी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह पूर्वक भव्य रूप से मनाया गया।

गुजरात स्थित श्री गिरनार तीर्थ में, 22वें तीर्थंकर भगवान श्री 1008 नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस के शुभ अवसर पर, विश्व स्तर पर आचार्यश्री, मुनिश्री, आर्यिकाश्री, सभी पंच परमेष्ठियों एंव गिरनार गौरव आचार्य

शेष पृष्ठ 03 पर.....

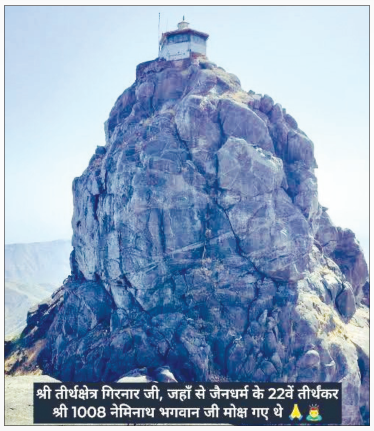

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

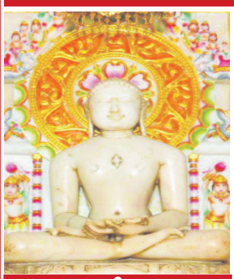

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE
आरती : 7:15 - 7:45 AM
शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda
नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.
संपर्क सूत्र:
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

नेमिनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव बहुत भक्ति भाव के साथ मनाया

राज कुमार अजमेरा, संवाददाता

झुमरीतिलैया। श्री दिगंबर जैन समाज के नेतृत्व में श्री दिगंबर जैन मंदिर में जैन धर्म के 22 तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री नेमिनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया गया।

ज्ञात हो कि नेमिनाथ भगवान का निर्वाण गुजरात जूनागढ़ के गिरनार पर्वत से आज से कई हजार वर्ष पूर्व आषाढ़ सुदी सप्तमी के दिन हुआ था तब से जैन समाज के लोग पूरे विश्व में बहुत ही भक्ति भाव के साथ भगवान का निर्वाण महोत्सव मनाते हैं और साथ ही गिरनार पर्वत पर दस हजार सीढ़ी चढ़कर हजारों भक्त निर्वाण लड्डू चढ़ाने पहुँचे हैं। प्रातः परम पूज्य आचार्य श्री 108 विवेक सागर जी महामुनिराज के मंगल आशीर्वाद से देवाधिदेव 1008 नेमिनाथ भगवान की बड़ी प्रतिमा पर प्रथम अभिषेक पवन जैन खड़कपुर और शांतिधारा महावीर प्रसाद इंदु जैन सेठी, परिवार और सुरेन्द्र-शैलेश जैन छाबड़ा परिवार को भगवान का आचार्य मुख से विशेष मंत्रोच्चार के द्वारा विशेष शांति धारा का सौभाग्य मिला साथ ही सुबोध-आशा जैन गंगवाल के संगीतमय पूजन के साथ भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य सुरेंद्र-सरिता जैन काला, ललित-नीलम जैन सेठी, सुबोध-आशा जैन गंगवाल, शशि-रीता जैन सेठी, सुमित-निशु जैन सेठी के परिवार को मिला एवं दूसरा कमल-कुसुम जैन गंगवाल और नया मंदिर में प्रदीप-प्रेम जैन पांड्या को प्राप्त हुआ। समाज के लोग ने सभी कार्यक्रम में सहभागी बने, इस अवसर पर विशेष रूप से जैन समाज के उप मंत्री राज जैन छाबड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन काला, सुनील जैन सेठी, महिला संगठन की अध्यक्ष नीलम जैन, मंत्राणी आशा जैन गंगवाल शामिल हुए। इस अवसर पर आचार्य श्री ने अपने उद्बोधन में बताया कि आज के दिन गिरनार पर्वत से जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर 1008 नेमिनाथ भगवान का निर्वाण हुआ था, वहाँ आज भी जैन तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के चरण हैं जिनके लोग दर्शन कर अपने जीवन को धन्य मान रहे हैं और पुण्य अर्जित कर रहे हैं। इस अवसर पर समाज के सभी वर्ग शामिल हुये।

कृत्रिम गिरनार पर्वत पर स्यादवाद महिला मंडल ने चढ़ाया निर्वाण लाडू

नई दिल्ली (मनोज जैन नायक)। तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जिसमें स्यादवाद महिला मंडल शकरपुर दिल्ली ने पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सहभागिता प्रदान की।

स्यादवाद महिला मंडल की अध्यक्षा कुसुम जैन एवं महामंत्री नीलम जैन ने बताया कि श्री दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियां परिषद द्वारा परम पूज्य गुरुदेव अभीक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के शिष्य मुनिश्री शिवानंदजी महाराज एवं मुनिश्री प्रश्मानंदजी महाराज के पावन सान्निध्य में 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ स्वामी का निर्वाण लाडू महोत्सव 02 जुलाई को मनाया गया। इस पावन अवसर पर कृत्रिम गिरनार पर्वत की रचना की गई, पर्वत की चोटी पर तीर्थंकर नेमिनाथ जी को विराजमान कर भक्तिभाव एवं श्रद्धा के साथ निर्वाण कांड का वाचन करते हुए निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। लगभग 30 वर्ष पूर्व परम पूज्य गुरुदेव सिंहरथ प्रवर्तक, त्रिलोकतीर्थ प्रणेता आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागर महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से महिला मंडल का गठन हुआ था तभी से ये संगठन समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत है।

उक्त आयोजन में स्याद्वाद महिला मंडल शकरपुर दिल्ली ने पूर्ण समर्पण एवं भक्ति के साथ हिस्सा लिया। सभी सदस्याएं अपने मंडल की विशेष परिधान में उपस्थित थीं। मंडल की सभी महिलाओं ने थालियों में निर्वाण लाडू को रखकर श्रद्धा के साथ सिर पर धारण किया। मंचासीन पूज्य युगल मुनिराजों ने निर्वाण महोत्सव की सभी क्रियाओं को मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया। निर्वाण लाडू महोत्सव के अवसर पर स्याद्वाद महिला मंडल की संरक्षक मुन्नी महेंद्र जैन मधुवन, कुसुम जैन, नीलम देवेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष सुनीता जैन, डोली सुदर्शन जैन मधुवन, अनीता प्रदीप जैन वसुंधरा, मनीषा मनोज जैन नोएडा, पुष्प जैन, लक्ष्मी सुनील जैन ग्रीन पार्क, सुमन सुनील जैन (बरबाई वाले) मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

नेमीनाथ भगवान छोटा गिरनार जी बापू गांव

अनिल कुमार जी पाण्ड्या को 64 वें जन्मोत्सव 03. 07. 2025 पर हार्दिक शुभकामनाएं

मुनिश्री 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज

अनिल कुमार जी पाण्ड्या

(बनेठा वाले)

64

- संरक्षकः प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र, छोटा गिरनार, बापू गांव
- निवर्तमान अध्यक्षः श्री महावीर दिग. मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर
- परम संरक्षकः आदर्श पंचकल्याणक महोत्सव शांति सागरम तीर्थ भोज कर्नाटक
- समाजश्रेष्ठी एवं उद्योगपति तथा मुनिभक्त एवं प्रसिद्ध समाजसेवी ..

"आप जियो हजारों साल, साल के दिन हो पचास हजार"

-: शुभाकांक्षी:-

श्रीमती उषा जी पाण्ड्या (धर्मपत्नी)

नितिन-निशा जैन, विपिन-श्रीमती परमा जैन (पुत्र-पुत्रवधु), अदिति, जीविशा, इनायशा (पौत्रियां)

एवं समस्त बनेठा वाला परिवार, सांगानेर, जयपुर (राज.)

-: प्रतिष्ठान:-

¨ USHA TEXTILES, Ashawala Sikarpura Road, Sanganer, Jaipur (Raj.)

¨ USHA DYEING WORKS, 2 - Prem Colony, Behind Hanuman Tube Well Co., Tonk Road, Sanganer, Jaipur (Raj.)

¨ Nemi Nath Petrol Pump Kareda, Kothun Lalsot Road (Raj.)

Mo. 9829068263, 9829058263, 9928367143

संकलन - जैन गजट संवाददाता राजा बाबू गोधा, फागी, मो. 9460554501

श्री भारतवर्षीय खंडेलवाल दिगंबर जैन महासभा (पूर्वांचल समिति) द्वारा मेडिकल बस कैंप

दिनांक 2 जुलाई को जैन भवन मैदान, विजयनगर में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। समाज सेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल समाजहित में एक सराहनीय एवं सेवा भावना से ओतप्रोत पहल के तहत श्री भारतवर्षीय खंडेलवाल दिगंबर जैन महासभा (पूर्वांचल समिति) एवं श्री दिगंबर जैन पंचायत, विजयनगर के संयुक्त तत्वावधान में आज जैन भवन मैदान, विजयनगर में यह आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा दांत, आँख, कान, गला, हृदय तथा अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई। शिविर में डेंटल ट्रीटमेंट, आई टेस्टिंग, ईएनटी टेस्टिंग, एक्स-रे, ईसीजी, पैथोलॉजिकल लैब टेस्ट और जनरल ओपीडी जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर न केवल स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया, बल्कि समाज के इस मानवीय प्रयास की सराहना भी की। शिविर में वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों सहित सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। डॉ. संतोष जैन 'काला' (सीए), अनिल कुमार काला, अजय बगडा, महिपाल पाटनी सीए, मनोज काला, राम चंद्र सेठी एवं श्रीमती अनुपमा रारा के कुशल मार्गदर्शन में इस शिविर का सफल संचालन हुआ। समर्पण ग्रुप, श्री दिगम्बर जैन महिला समाज विजयनगर, अनुप्रेक्षा ग्रुप विजयनगर का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा। आयोजन की विशेषता यह रही कि अत्याधुनिक मेडिकल बस के माध्यम से ग्रामीण व शहरी जनता को सहज और निरूशुल्क चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गईं। यह शिविर समाज में सेवा, करुणा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में एक अनुकरणीय कदम है। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

समाज के सभी वर्गों ने इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की और इसे ÷सेवा ही धर्म है÷ की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

जैन मंदिर थाटीपुर, ग्वालियर में कब्जा की कोशिश

ग्वालियर में 100 वर्ष से ज्यादा प्राचीन थाटीपुर जैन मंदिर जी को दिनांक 1-2 जुलाई 2025 की मध्य रात्रि रोड साइड से तिरपाल डाल कर मन्दिर जी दीवार तोड़ मन्दिर को क्षतिग्रस्त कर नुकसान पहुंचाया गया और कब्जा की कोशिश की गई। थाटीपुर जैन समाज द्वारा इसके विरोध में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।। सकल थाटीपुर जैन समाज ने दिनांक 03.07.25 को सुबह 11.00 बजे ग्वालियर पुलिस अधीक्षक को इस संबध में ज्ञापन भी दिया है।

जैन विद्या शोध संस्थान में डिग्री कोर्स को स्वीकृति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान की पाठ्यक्रम समिति ने बैठक के दूसरे दिन नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय डिग्री कोर्स के लिए स्वीकृति दी गई है। पाठ्यक्रम कुल 160 क्रेडिट का बनाया गया है। आगे इसमें नौ क्रेडिट का कोर्स विशेष रूप से शोध के लिए निर्धारित किया गया है। इससे डिग्री धारकों को प्राचीन ग्रंथ रचनाओं को समझने व पढ़ाने का अवसर मिलेगा। वहीं, प्राकृत भाषा को क्लासिकल श्रेणी मिलने से शोध संस्थानों में राष्ट्रीय स्तर पर नौकरी व स्वरोजगार का भी अवसर मिलेगा। साथ ही नलिन शास्त्री, फूलचंद्र प्रेमी, अशोक जैन, समिति के अध्यक्ष व संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. अभय कुमार जैन और सचिव निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री के प्रति जैन मिलन के पदाधिकारियों ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विशाल जैन, संजीव जैन, बृजेश जैन, अंकित जैन, संजय जैन, अनुज जैन, शरद जैन, पुनीत जैन मौजूद रहे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

OFFICE
CITY TRADE CENTRE,
Near Athgaon Flyover, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 8638773711

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला श्रीमती सरिता काला संदीप-स्वाति पाटनी श्रेयांस-स्नेहा काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

600 से भी अधिक छात्र-छात्राओं को दी गई स्कॉलरशिप

अरिहंतगिरी (चेन्नई)। आचार्य श्री अकलंक एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वावधान में ऐतिहासिक तीर्थ स्थल अरिहंतगिरी के विशाल प्रांगण में श्री सरिता जैन फाऊंडेशन ट्रस्ट चेन्नई द्वारा 600 से भी ज्यादा अधिक छात्र-छात्राओं को दी गई स्कॉलरशिप। तमिलनाडु चेन्नई के श्रीमान महेंद्र कुमार श्रीमती सरिता जी जैन हमारे देश के आदर्श दंपत्ति हैं एवं श्री क्षेत्र श्रवणबेलगोला के महामस्तकाभिषेक में सौधर्म इंद्र- इंद्राणी रहे हैं, सरिता जी तीर्थक्षेत्र कमेटी में अध्यक्ष रही हैं आज भी महिला महासभा की अध्यक्ष हैं। इनको दक्षिण भारत के भामाशाह की उपाधि दी गई है। अनेकों मंदिरों के जीर्णोद्धार आपके द्वारा किए गए हैं और कर रहे हैं, साधु संतों की सेवा में भी यह परिवार हमेशा तत्पर रहता है। तमिलनाडु मद्रास में रहकर अनेकों धर्म कार्य कर रहे हैं, उनके साथ उनके पुत्रों के द्वारा भी इस धर्म कार्य में हमेशा सहयोग मिलता रहता है, तमिलनाडु में अरिहंतगिरी श्री क्षेत्र है, यहां पर श्री महेंद्र जी सरिता जैन मुख्य ट्रस्टी भी हैं, यहां पर तीस चौबीसी एवं 458 अकृत्रिम जिनबिंब का

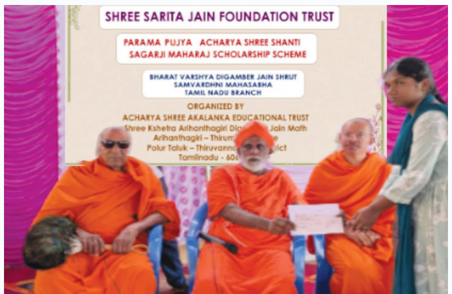

सर्वार्थसिद्धि जिनमंदिरम् के रूप में स्थापना की है, आज देश भर में भक्तगण आकर इसके दर्शन करके प्रसन्न हो रहे हैं। इसी क्षेत्र में श्री सरिता जी महेंद्र जी जैन के द्वारा स्कूल भी चलाया जाता है। इस स्कूल का संपूर्ण खर्च भी यह परिवार वहन करता है। हर साल यहां के स्कूल के बच्चे 100 प्रतिशत रिजल्ट देते हैं, तमिलनाडु में अनेकों प्राचीन जैन मंदिर हैं जहां के 200 से भी अधिक पुजारी की हर महीने 2900/-तनख्वाह एवं चावल दान इस परिवार के द्वारा दिया जाता है। प्रतिवर्ष कम से कम 600 बच्चों के लिए 2 करोड़ रुपए स्कॉलरशिप के रूप में प्रदान करते हैं, इसी श्रृंखला में रविवार को श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी में परम पूज्य भट्टारक चिंतामणि धवलकीर्ति महास्वामी जी के सानिध्य में वंदेवासी, आरणी, तिंडीवनम् विल्लुपुरम, कांचीपुरम तिरुवन्नामलाई एवं तिरुमलाई सहित तमिलनाडु के 40 गांव के 600 से भी अधिक बच्चों को स्कॉलरशिप प्रदान की गई। इस अवसर पर तिरुवन्नामलई के एम पी श्रीमान THARANIVENTHAN M Sजी भी उपस्थित रहे जिन्होंने प्रतिभावान छात्रों को चेक देकर स्कॉलरशिप प्रदान की। श्री सरिता जी महेंद्र जी जैन परिवार को मंगल आशीर्वाद है, शुभकामनाएं कि वह इसी तरह से जिन धर्म की महती प्रभावना करते हुए तन मन धन से दान करते हुए जिन धर्म की सेवा करते रहें। ऐसे दानवीर महेंद्र जी सरिता जी जैन जिन्होंने अपनी चंचल लक्ष्मी का उपयोग हमेशा सेवा कार्यों में ही किया है यह इसका प्रमाण है कि तमिलनाडु के छोटे-छोटे गांव में अनेकों प्रतिभावान बच्चे पढ़ रहे हैं जिनकी पढ़ाई का खर्चा स्कॉलरशिप के माध्यम से यह परिवार प्रतिवर्ष उठाता है और अनेकों प्रतिभावान छात्र हर क्षेत्र में जाकर जैन समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। तमिलनाडु से श्री क्षेत्र अरिहंतगिरी से विचार पट्ट भट्टारक श्री प्रमेय सागर स्वामी जी ने बताया कि रविवार के दिन 600 से भी अधिक स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप प्रदान की गई। इस अवसर पर अनेकों नेता राजनेता भी उपस्थित रहे।

श्रीमती सरिता जैन चेन्नई को सन् 2018 में विश्व के एक मात्र धार्मिक आयोजन श्री क्षेत्र श्रवणबेलगोला के भगवान बाहुबली के महामस्तकाभिषेक के प्रथम राष्ट्रीय गौरवाध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त है।

शेष पृष्ठ 1 का.....

श्री निर्मल सागर जी महाराज के दीक्षा दिवस समारोह के आयोजन हेतु मुनिश्री धरसेन सागर जी ससंघ, गिरनार पीठाधीश कर्मयोगी क्षुल्लक रत्न समर्पण सागर जी महाराज के मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में देशभर की जैन समाज की प्रमुख राष्ट्रीय संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारियों ने पहली बार एक साथ पावन उपस्थिति दर्ज की। यह ऐतिहासिक दिन न केवल जैन समाज की आस्था का प्रतीक बना, बल्कि राष्ट्रीय एकता, धर्म-संरक्षण और तीर्थ-प्रबोधन का भी अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा प्रतिनिधि मंडल एवं सभी संस्थाओं से पधारे श्रेष्ठिगण ने सर्वप्रथम आचार्य श्री एवं मुनि संघों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

तत्पश्चात महोत्सव समिति के परम संरक्षक एवं निर्मल ज्ञान ध्यान केन्द्र के अध्यक्ष सौभागमल कटारिया, अध्यक्ष पारस जैन बज, ऋषभ जैन आदि पदाधिकारियों द्वारा श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल, महासभा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं गिरनार जी यात्रा संयोजक, श्री पवन गोधा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेश बी. शाह, तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जम्बूप्रसाद जैन, महामंत्री श्री संतोष पेंढारी, ग्लोबल महासभा अध्यक्ष श्री जमनालाल हपावत आदि श्रेष्ठिजनों का सम्मान किया।

निर्वाण महोत्सव के अवसर पर पहाड़ पर पहली टोंक पर मंदिर जी एवं तलहटी पर निर्मल ध्यान केन्द्र स्थित भगवान नेमीनाथ की उत्तंग प्रतिमा तथा तलहटी प्रांगण में स्थित बंडी धर्मशाला मंदिर जी में मूलनायक 22वें तीर्थंकर नेमिनाथजी के मोक्ष कल्याणक पर देश भर से आए जैन श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाया।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा प्रतिनिधि मंडल ने गिरनार जी में 22वें तीर्थंकर भगवान श्री 1008 नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर पूजन, स्वाध्याय और सामूहिक आराधना का आयोजन किया। गिरनार पीठाधीश कर्मयोगी क्षुल्लक रत्न समर्पण सागर जी महाराज ने कहा कि सभी जैन श्रद्धालुओं एवं पदाधिकारियों को गिरनार जी में किसी ना किसी को नियमित बनाकर गिरनार जी आना है। जैन समाज एवं प्रमुख राष्ट्रीय संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारियों को आशीर्वाद दिया। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल ने कहा कि गत वर्ष श्री सम्मेद शिखर जी आंदोलन में जैन समाज की क्या ताकत है, जैन समाज ने दिखा दिया था। सरकार को जैन समाज की ताकत का पता चल गया था। अब गिरनार जी की बारी है, जगह-जगह गांव-गांव से जो आज गिरनार जी में लगभग पचास हजार से भी ज्यादा जैन समाज ने पहुंच कर अपनी एकता का परिचय दिया है। अगले वर्ष लाखों की संख्या में जैन समाज यहां एकत्रित होगा और भगवान नेमीनाथ जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव पांचवीं टोंक पर ही लाडू चढ़ाकर मनायेगा। हम झुकने वाले नहीं हैं। हम अपने तीर्थ पर कब्जा नहीं होंने देंगे। हमें शांति से सब कार्य करना है, एक जुटता दिखानी है, यह दिखा देना है कि हमारी कोई बात सरकार को न लगे कि यह समाज गलत कर रही है। जैसे जैन समाज के ट्वीटर एकाउण्ट ने फर्स्ट पर आकर दिखा भी दिया है यह कि जैन समाज किसी भी कार्य में पीछे नहीं है तो हमें पाचंवीं टोंक पर जहां से हमारे नेमिनाथ भगवान मोक्ष गये थे हमें हमारा अधिकार चाहिये। हम समय के हिसाब से चलें, आज पचास हजार से भी ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं, अगली बार लाखों में श्रद्धालु गिरनार जी पहुंचेंगे।

शेष पृष्ठ 7 पर...

राजकीय अतिथि, कवि, हृदय, वात्सल्य मूर्ति, अभीक्ष्ण ज्ञानपयोगी, आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी मुनिराज अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में विराजमान हैं

शशांक वाणी

जिनके चरणों में लगी हुई तीर्थों की पावन रजकण, बड़े भाग्य से मिल पाता उन चरणों का स्पर्शन जिनकी हितमित प्रिय वाणी हरती है धरती का क्रंदन, ऐसे आचार्य शशांक सागर जी के चरणों में हमारा शत शत नमन

– जग जीवन की क्षण भंगुरता को समझे रहिए।
– कोई किसी का सगा नहीं, अंदर में निर्णय करके रखिए।

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

1. श्रेष्ठी ऋषभ कुमार सेठी (अध्यक्ष तिलक नगर, जयपुर)
2. पवन कुमार बड़जात्या मरवावाले किशनगढ़
3. श्रेष्ठी विनित चांदवाड़ (सिद्धार्थ नगर, जयपर)
4. श्रेष्ठी अनूप चंद जैन (भुसावर वाले, जयपुर)
5. श्रेष्ठी महेश-राकेश कुमार ठोलिया (मारूजी का चैक, जयपुर)

1. अरूण कुमार काला अध्यक्ष (कीर्ति नगर जयपुर)
2. अशोक चांदवाड, (वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर)
3.भंवरी देवी काला ध.प. महेन्द्र काला, (स्वर्णपथ मानसरोवर जयपुर)
4. श्रीमती राखी गंगवाल, (आदिनाथ नगर, जयपुर)

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

एटा जिले में खुदाई के दौरान जैन तीर्थंकर प्रतिमा प्राप्त हुई

ओम पाटोदी

इंदौर। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में शिकोहाबाद रोड स्थित गांव रिजोर में प्राचीन किले के पास ओवरहेड टैंक के निर्माण के लिए खुदाई का काम के दौरान जैन तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी की एक प्राचीन प्रतिमा प्राप्त हुई। प्रथम दृष्टया ही ग्रामीणों ने इसे जैन धर्म से सम्बन्धित मानकर जैन समाज के लोगों को जानकारी दी, परन्तु बाद में कुछ लोगों ने उसे बुद्ध प्रतिमा कहकर विवाद खड़ा किया। इसकी जांच के लिए पुरातत्व विभाग की तीन सदस्यीय टीम रिजोर पहुंची। टीम ने मूर्ति को थाने में सुरक्षित रखवा दिया। टीम का कहना है कि जांच के बाद तय हो सकेगा कि मूर्ति किसकी है? प्रशासन ने इसकी जानकारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आगरा को दी। वर्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी एवं स्वप्निल जैन ने बताया कि सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया में

प्रकाशित फोटो को देखा जाए तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह प्रतिमा जैन तीर्थंकर प्रतिमा दिखाई दे रही है, क्योंकि प्रदर्शित फोटो में कहीं ऐसे संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं जिससे वह प्रतिमा भगवान महावीर स्वामी की न लगे। प्रतिमा विज्ञान की सामान्य सी जानकारी रखने वाले व्यक्ति से भी पूछा जाए तो वह उसे भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा ही कहेगा। बुद्ध प्रतिमा के साथ वस्त्रों का अंकन किया जाता है जबकि यह प्रतिमा साफतौर पर दिगम्बर प्रतिमा ही दिखाई दे रही है। इसमें किसी भी तरह के वस्त्राभूषण का अंकन नहीं किया हुआ है अतः स्थानीय जैन समाज के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्रातिशीघ्र मूर्ति दिगम्बर जैन समाज को सौंप दी जाए ताकि भगवान की पूजा अर्चना की जा सके।

प्रतिभा सम्मान समारोह एवं मासिक मिलन

डा. विवेकानंद जैन, मंत्री, जैन मिलन वाराणसी

वाराणसी। जैन समाज के युवा छात्र-छात्राओं के मनोबल को बढ़ाने हेतु तथा उनकी बोर्ड परीक्षा की उपलब्धियों को सम्मानित करने का जो निर्णय जैन मिलन की मई माह की बैठक में लिया गया था उसी को सम्पन्न करने का कार्य 29 जून 2025 रविवार को भगवान पार्श्वनाथ की जन्म स्थली भेलुपुर जैन मंदिर में किया गया। इस अवसर पर सभी जैन समाज के युवाओं को उनके माता-पिता तथा परिवार के सदस्यों के साथ बुलाया गया था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वीर श्री घनश्याम दास जी जैन रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर विजय कुमार जैन ने की। इस अवसर पर मंच पर जैन मिलन के पदाधिकारी वीर डा. विवेकानंद जैन, वीर इंजीनियर सौरभ जैन एवं कोषाध्यक्ष वीर अनिल कुमार जैन तथा दिगम्बर जैन समाज के मंत्री श्री विनोद कुमार जैन (चांदी वाले) उपस्थित रहे।
इस अवसर पर लगभग 20 युवाओं को जैनत्व की गौरव गाथा नामक पुस्तक भेंट की गई। यह पुस्तक जैन धर्म के इतिहास के साथ-साथ जैन धर्मावलम्बियों की महान उपलब्धियों की जानकारी से युक्त है। यह हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देती है साथ ही जैन धर्म पर गर्व करने का अवसर प्रदान करती है। इस पुस्तक के बारे में डा. विवेकानन्द जैन ने सभी को जानकारी दी। मंचासीन पदाधिकारियों ने जैन युवाओं को पुस्तक के साथ-साथ जैन मिलन की ओर से एक प्रतिभा सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीमती अंशु जैन को प्राकृत भाषा में स्वर्ण पदक (श्रवणबेलगोला) के लिए तथा भाविका जैन को म्यूजिक में स्वर्ण पदक (काशी विद्यापीठ) के लिए विशेष रुप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित सदस्यों में वीर अशोक कुमार जैन, वीर प्रभात कुमार जैन, वीर नमन जैन, वीर अमित जैन, वीर सुरेन्द्र जैन, वीर आनंद कुमार जैन, प्रभात चंद्र जैन, श्रीमती प्रियंका जैन, वीर वीरेंद्र कुमार जैन एवं श्रीमती अंशु जैन, श्रीमति प्रीति जैन, प्रभा जैन, जयंत शाह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम महावीर प्रार्थना से प्रारम्भ हुआ तथा स्वल्पाहार के साथ खुशी के माहौल में सम्पन्न हुआ।

योग और ध्यान भारत की प्राचीन साधना है

20 जुलाई को होगी मंगल कलश स्थापना

- मुनिश्री विलोक सागर

मुरैना (मनोज जैन नायक)। सर्वप्रथम योग की शिक्षा आदि ब्रह्मा आदिनाथ भगवान द्वारा दी गई थी। स्वयं आदिनाथ स्वामी ने योग धारण कर केवलज्ञान की प्राप्ती की थी। योग और ध्यान भारत की सबसे प्राचीन साधना हैं। ध्यान और साधना के द्वारा अनेकों ऋषि मुनियों, तपस्वियों ने अलौकिक ज्ञान एवं रिद्धियों की प्राप्ति की है। मुख्य रूप से योग के चार बिंदु होते हैं। ध्यान, प्रणायाम, प्रतिक्रमण और सामायिक। योग एवं ध्यान मन वचन काय द्वारा स्वस्थ मन से सकारात्मक सोच के साथ करना चाहिए। उक्त उद्गार जैन संत मुनिश्री विलोक सागर महाराज ने ज्ञानतीर्थ जिनालय में योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कर रहे साधर्मी बंधुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।
पूज्य गुरुदेव मुनिश्री विलोकसागर एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज का मंगल आगमन ज्ञानतीर्थ पर हुआ। महिलाओं ने रंगोली बनाकर, सिर पर मंगल कलश रखकर एवं साधर्मी बंधुओं ने युगल मुनिराजों का पाद प्रक्षालन व आरती उतारकर भव्य अगवानी की। पूज्य गुरुदेव ने ज्ञानतीर्थ क्षेत्र को मनमोहनीय बताया। उन्होंने कहा कि ज्ञानतीर्थ

का शांतिप्रिय वातावरण साधना के लिए अति उत्तम स्थान है। यहां का प्राकृतिक वातावरण मन को मोह लेता है। ऐसा स्थान साधना और ध्यान के लिए सर्वोत्तम है। मुख्य सड़क मार्ग पर होने के कारण आम लोगों को भी दर्शनलाभ सुगमता से उपलब्ध होते हैं।
पूज्य युगल मुनिराजों के पावन सान्निध्य में ए वी रोड हाइवे पर स्थित ज्ञानतीर्थ जिनालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पूज्यश्री ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी बंधुओं, माता बहनों को योगाभ्यास एवं ध्यान कराया। श्री जिनेंद्र प्रभु के कलशाभिषेक, शांतिधारा एवं अष्ट द्रव्य से पूजन किया गया। पूज्य युगल मुनिराजों का मंगल वर्षायोग 2025 मुरैना के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में होने जा रहा है। वर्षायोग मंगल कलश स्थापना पर 20 जुलाई को एक भव्य एवं विशाल समारोह का आयोजन होगा, जिसमें गुरुदेव के भक्तों द्वारा मंगल कलशों की स्थापना की जाएगी। इस समारोह में सम्पूर्ण भारतवर्ष से सैकड़ों की संख्या में गुरुभक्त साधर्मी बंधुओं के उपस्थित होने की संभावना को देखते हुए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

गिरनार जी में पांचवीं टोंक पर निर्वाण लाडू चढ़ाने से रोका, श्रद्धालुओं में रोष

गुजरात के जूनागढ़ जिले में जैन श्रद्धालुओं को गिरनार पर्वत पर पांचवीं टोंक तक पूजन सामग्री ले जाने से रोका गया

मेरठ। 2 जुलाई को जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक था। उन्हें गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिरनार पर्वत से मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। शहर से जैन समाज के लोग मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाने गिरनार जी पर्वत गए थे। इसमें शामिल जैन धार्मिक संस्था विश्व श्रमण संस्कृति श्रीसंघ के राष्ट्रीय महामंत्री टीपीनगर निवासी सुदीप जैन ने बताया कि वह 30 जून को गुजरात के लिए रवाना हुए थे। गुजरात में पर्वत की तलहटी से गिरनार पर्वत तक 9999 सीढ़ियां बनी हैं। जिस पर पहुंच कर पूजन सामग्री अर्पित की जाती है। उन्होंने बताया कि एक जुलाई को उन्होंने गिरनार जी पर्वत की यात्रा शुरू की। वह अपने साथ पूजन सामग्री में निर्वाण लाडू, चावल, बादाम, लौंग, छोटी इलायची साथ लेकर गए थे। उनका आरोप है कि उन्हें दूसरी टोंक पर ही पूजन सामग्री के साथ रोक दिया गया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि पूजन सामग्री पहली टोंक तक ही ले जाने की अनुमति है, इसके आगे नहीं। सुदीप जैन सभी पूजन सामग्री को पांचवीं टोंक पर ही अर्पित करने की बात कहकर अड़ गए। इस बात पर सुदीप जैन और अन्य जैन श्रद्धालुओं की व्यवस्था में लगे कर्मचारियों से नोकझोंक हुई। उन्होंने कहा कि जैन समाज के लोगों का मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। उच्च न्यायालय के 17 फरवरी 2005 के आदेशों का अनुपालन नहीं कराया जा रहा है। वहां की सरकार द्वारा जैन समाज के साथ तानाशाही रवैया अपनाया जा रहा है। सुदीप के साथ मौजूद मीनाक्षीपुरम निवासी राष्ट्रीय संयोजक अक्षय जैन अरिहंत व राजीव जैन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार नोट व वोट दोनों लेती है और बदले में शोषण भी हमारा ही करती है।

आचार्य विद्या सागर महाराज का मनाया 58वां मुनि दीक्षा दिवस

संजय जैन, संवाददाता

मदनगंज किशनगढ़। सिटी रोड स्थित आदिनाथ मन्दिर में संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज का 58वां मुनि दीक्षा दिवस पर जिनेन्द्र देव के अभिषेक शांतिधारा के पश्चात् आचार्यश्री के चरण कमलों का प्रक्षालन किया गया जिसका पुण्यार्जन विनयकुमार, रीना, रोनक एवं श्रेया गंगवाल परिवार ने प्राप्त किया। तत्पश्चात दिगंबर जैन महिला महासमिति के तत्वावधान में आचार्य छत्तीसी विधान की पूजा की गई जिसमें आचार्य श्री के 36 मूलगुणों के 36 अर्घ मंडल विधान पर समर्पित कर आचार्यश्री की महिमा का गुणगान किया गया।
अध्यक्षा मोना झाँझरी ने बताया कि आर. के. परिवार से अशोक

पाटनी एवं शांता पाटनी के साथ अन्य सदस्यों ने पूजन करते हुए अर्घ समर्पित किये। रोहित शास्त्री द्वारा विधान की मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न करवाई गई। इस अवसर पर महासमिति की ऊषा गोधा, अंतिमा झांझरी, गुणमाला पाटनी, विनीता कासलीवाल, जुली चौधरी, बीना झांझरी, सरिता पहाड़िया, सरिता गौधा, भावना पहाड़िया, पूनम गदिया, मुन्नी दगडा, सुनीता काला, पुष्पा सेठी, सुशीला चौधरी, सीमा पाटनी, विनोद चौधरी, इंदर चंद पाटनी, सुमेर अजमेरा, कमल सेठी, निर्मल छाबडा, प्रकाश कासलीवाल, कैलाश पहाड़िया, पंकज पहाड़िया, संजय झांझरी, श्रेयांस पाटौदी, रतन दगडा सहित सैकड़ों श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

कोलकाता। बुधवार 02.07.2025 को परम पावन पुनीत दिवस के दिन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बेलगछिया उपवन मंदिर जी में परम सौभाग्य से आचार्य गुरूवर 108 श्री प्रमुख सागर जी ससंघ एवं गणिनी आर्यिका 105 सुयोग्य नंदिनी माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में मानस्तम्भ परिसर में विराजित 108 बालयति 22 वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान की प्रतिमा के समक्ष बेलगछिया के इतिहास में प्रथम बार संपूर्ण कोलकाता एवं बृहतर कोलकाता जैन समाज की उपस्थिति में अति उत्साह भक्तिभाव के साथ दो निर्वाण लाडू श्री ओम प्रकाश जी परिवार गोहाटी एवं श्री संजय कुमार जी, श्री अजय कुमार जी राय (लेक टाउन कोलकाता) परिवार द्वारा गणिनी आर्यिका 105 सुयोग्य नंदिनी माताजी के मुखारविंद द्वारा अपार जनसमूह स्नेहीजनों की उपस्थिति में चढ़ाया गया। यह जानकारी महावीर जैन ने जैन गजट को दी।

अनमोल विचार

पारस जैन पार्श्वमणि, कोटा

जिस तरह की सख्ती से चेकिंग शासन प्रशासन ने तीर्थक्षेत्र गिरनार पर्वत पर वंदनार्थ जाते हुये पच्चीस हजार जैन यात्रियों से की गई, ठीक उसी प्रकार की सख्ती से चेकिंग तीर्थराज सम्मेद शिखरजी में मकर संक्रांति के समय जब लाखों अजैन तीर्थराज पर्वत पर अपवित्रता फैलाने के लिए चढ़ते हैं उस समय शासन प्रशासन को इस तरह की सख्ती से चेकिंग करना चाहिए ताकि तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की पावनता, पवित्रता, पुरातत्वता, प्राचीनता, प्रमाणिकता, स्वच्छता ज्यों की त्यों बनी रहे।

आचार्यकल्प श्री पुण्य सागरजी के जयकारों से गूंज उठी हिरण मगरी

चातुर्मास, 2025 के लिए हुआ सेक्टर-4 में भव्य मंगल प्रवेश: रास्ते में जगह जगह हुई पुष्प वृष्टि, आरती, पाद प्रक्षालन

साधु संत आपके अवगुण दूर करने आते हैं - आचार्यकल्प पुण्य सागरजी

मुकेश जैन पाड्या
प्रचार प्रसार प्रभारी

उदयपुर, 29 जून 2025। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर हिरण मगरी सेक्टर-4 में आचार्य अजित सागर जी महाराज के शिष्य एवं वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती आचार्यकल्प श्री पुण्य सागर जी महाराज ससंघ (18 पिच्छी) का झीलों की नगरी हिरण मगरी सेक्टर 4, उदयपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्यकल्प श्री पुण्य सागर जी महाराज चातुर्मास कमेटी के मुख्य संयोजक निर्मल कुमार मालवी ने बताया कि इस अवसर पर रिद्धि सिद्धि कांप्लेक्स, पोस्ट ऑफिस सेक्टर-5 से आचार्यकल्प श्री की आगवानी सेक्टर 3, 4, 5 दिगंबर जैन समाज ने की जहाँ से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बग्गी में भगवान, पंचाचर्या, तीन घोड़े पर जैन ध्वज, राष्ट्रीय ध्वज एवं महाराणा प्रताप की तस्वीर लिए बालक बालिका, ओपन जीप में आपरेशन सिंदूर थीम पर आर्मी ड्रेस में युवतियां, आचार्य श्री की आगवानी करते नासिक ढोल, सिर पर मंगल कलश धारण किये महिलाएं, विचित्र वेशभूषा धारी महिलाएं, बैंडबाजे की स्वर लहरियों के बीच महिलाएं लाल चुंदड में एवं पुरुष श्वेत वस्त्रों में सिर पर पगड़ी धारण किये भक्ति गीतों पर नाचते गाते चल रहे थे। संयोजक गौरव गनोडिया एवं पारस कुणावत ने बताया कि शोभा यात्रा सेक्टर 4 बंद पेट्रोल पंप के पास पहुँचने पर आचार्य कल्प श्री पुण्य सागर जी महाराज के 39 वें चातुर्मास के अवसर पर 39 श्रावक-श्रविकाओं द्वारा पाद प्रक्षालन किया गया। इसके अलावा जैन समाज के घरों के बाहर स्वागत द्वार लगाकर आरती एवं पाद प्रक्षालन किया गया।

प्रचार-प्रसार प्रभारी मुकेश जैन पाड्या ने बताया कि सेक्टर 4 तिराहे पर भव्य रेम्प पर आचार्य कल्प का स्वागत पुष्प वर्षा कर किया गया जहाँ से आचार्य कल्प श्री ने जन समुदाय को दिव्य आशीष प्रदान किया।

अध्यक्ष झमक लाल अखावत एवं महामंत्री सुंदर लाल लूणदिया ने बताया कि शोभा यात्रा के सेक्टर 4 नागेंद्रा भवन पहुँचने पर धर्म सभा हुई जिसमें आचार्य कल्प पुण्य सागर जी महाराज ने कहा कि साधु संत आपके नगर में न तो नोट मांगने आते हैं, न वोट मांगने आते हैं, न ही चोट देने आते हैं वह तो आप में जो खोट पड़ी है वह दूर करने आते हैं। जो दुर्गुण, अवगुण आपके जीवन में आ गए हैं वे अवगुण दूर करने साधु संत आते हैं। ये समय है चातुर्मास में अपने जीवन को भगवान, गुरु की भक्ति, सत्संग करके पवित्र कर लो, जीवन उत्साह और उमंग से भर लो। उदयपुर समाज ने सपना देखा था वह सपना आज साकार हो गया, भक्तों की भक्ति हमें उदयपुर के उपनगर हिरण मगरी सेक्टर 4 में खींच लाई। बहुत शहरों, गांवों से चातुर्मास के लिए भक्त निवेदन कर रहे थे लेकिन उदयपुर का सौभाग्य जाग गया। इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारिणी वीणा दीदी 'बिगुल' ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर विशिष्ट जन उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत, निवर्तमान उप महापौर पारस सिंघवी, महेंद्र टाया, सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष शांति लाल वेलावत, महामंत्री सुरेश पद्मावत, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह, नाथू लाल खलुडिया, कमल कुमार दोसी, सुंदर लाल डागरिया, प्रमोद सामर, लक्ष्मी लाल बोहरा, सुमति प्रकाश वालावत, ऋषभ जसिंगोत, चाँद मल गनोडिया, शिखर चंद घाटलिया, राजेंद्र अखावत, जय कारवा आदि उपस्थित रहे। आचार्य कल्प श्री का पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट महेंद्र टाया परिवार ने किया। महिला मंडल की सुषमा कलावत, उषा कुणावत, संगीता गोदडोत, कविता जैन, ने जिम्मेदारी संभाली। मंच संचालन गौरव गनोडिया ने किया। मुख्य संयोजक निर्मल मालवी ने आभार जताया। कार्यक्रम पश्चात समाज का स्वामी वात्सल्य हुआ।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने बाडा पदमपुरा के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जैन समाज के प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने भगवान पदमप्रभु के दर्शन अपने आपको गौरवान्वित किया, कार्यक्रम में चेतन जैन निमोडिया सदस्य नगर निगमग्रेटर जयपुर ने अवगत कराया कि श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान पदमप्रभु के दर्शन कर अपने हृदय में शांति की अनुभूति प्राप्त करते हुए उक्त तीर्थ स्थल आध्यात्मिक संस्कार एवं आस्था की दिशा में प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में उक्त अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, मंत्री हेमंत सोगानी, सुरेंद्र कुमार पांड्या तथा नगर निगम ग्रेटर के चेतन जैन निमोडिया सहित सभी सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर हमीरपुर का वार्षिकोत्सव हुआ हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

राजस्थान में भीलवाड़ा स्टेट हाईवे पर स्थित टोंक रियासत के ठिकाने ग्राम हमीरपुर में लगभग 400-450 वर्ष अति प्राचीन दिगम्बर जैन आदिनाथ जिनालय का हमीरपुर वासी कामदार परिवार के समाजसेवी श्रेष्ठी श्री हरकचंद, भागचन्द, दानमल, मानमल, निर्मल कुमार बड़जात्या, समाज श्रेष्ठियों व सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से जीर्णोद्धार के पश्चात जून 2023 में भारत गौरव परम पूज्य चारित्र चन्द्रिका, तपोमूर्ति, श्रमणी, गणिनी आर्यिका रत्न श्री 105 विज्ञाश्री माता जी ससंघ के पावन सानिध्य में वेदी प्रतिष्ठा, कलशारोहण कराकर नूतन वेदियों में मूलनायक आदिनाथ भगवान के साथ कुल 19 प्रतिमाएं विराजमान कराकर अति भव्यता प्रदान की। जिनालय में कुल 5 वेदियां हैं, मंदिर जी के ऊपर तीन शिखर हैं, मुख्य शिखर 31 फिट ऊंचा है जो जिनालय की शोभा बड़ा रहा है। मंदिर जी के मुख्य द्वार पर अति कलात्मक गुम्बद भी है, साथ में चारों कोणों पर चार छतरियां भी भव्यता प्रदान कर रही हैं। जीर्णोद्धार के दौरान तलघर (बहरा) भी मिला जिसका भी जीर्णोद्धार कराया गया। तलघर में एक ही पत्थर पर 16 प्रतिमाएँ हैं जो 1800 वर्ष प्राचीन हैं साथ में चार अन्य प्रतिमाएँ भी विराजमान हैं। तलघर में शांति प्रदान करने वाला ध्यान केन्द्र भी बनाया गया है। मुनिराजों के ठहरने के लिए भी तलघर में उत्तम व्यवस्था है। यात्रियों के ठहरने हेतु एक व्यवस्थित यात्री निवास भी है, मन्दिर समिति के अध्यक्ष श्रेष्ठी श्री हरक चन्द बड़जात्या हमीरपुर वाले के अनुसार ऐसे भव्य जिनालय के वार्षिक उत्सव के पहले दिवस रात्रि में साज-बाज, भक्ति भाव से आसपास के गांवों के समाज की उपस्थिति में रात्रि जागरण के कार्यक्रम हुए। मुख्य दिवस को प्रातः जिनाभिषेक, शान्तिधारा के पश्चात श्रावक - श्राविकाओं के द्वारा आदिनाथ विधान पूजा मण्डल जी पर भक्ति भाव से की गई। परिवारजनों के साथ सैकड़ों नर नारियों ने आनन्द लिया। तत्पश्चात सभी ने सुस्वादिष्ट वात्सल्य भोज का लुफ्त लिया। कायक्रम में सोशल ग्रुप आदिनाथ की भी उपस्थित रही। आसपास के गांवों के श्रावक परिवारों के साथ अनेक गणमान्य के साथ श्री अशोक कुमार जी कासलीवाल फागी वाले भी मय परिवार के उपस्थित रहे। इस प्रकार नूतन जिनालय का द्वितीय वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ, एक बार जिसने जिनालय के दर्शन कर लिये हैं वे जिनालय के पुनः दर्शन करने के लिए लालायित रहते हैं तथा दर्शनार्थियों की मनोकामना भी पूर्ण होती है। मंदिर जी के सम्पर्क सूत्र - 9829074341।

जॉर्जिया में भारतीय दूतावास के अधिकारियों से हुई शाकाहार पर चर्चा

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर से धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष पदम बिलाला की अगुवाई में इंटर कांटिनेंटल (अंतर महाद्वीपीय) देश जॉर्जिया की यात्रा पर गए सदस्यों ने सोमवार को त्बिलिसी में भारतीय दूतावास से मिलने के लिए समय लेकर गए, जहाँ कार्यकारी राजदूत सर सुब्बू रमेश से उनकी मुलाकात हुई। सदस्यों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका सम्मान किया। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने सर सुब्बू रमेश से शाकाहार पर चर्चा करते हुए उन्हें बताया कि आचार्य श्री 108 वसु नंदी मुनिराज के आह्वान पर गत वर्ष को शाकाहार वर्ष के रूप में मनाया गया था, इस दौरान वृहद स्तर पर अहिंसक आहार पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें प्राप्त हजारों पोस्टर मोबाइल पर उनको दिखाए गए। उन्होंने शाकाहार के प्रचार प्रसार के कार्य की प्रशंसा एवं अनुमोदना की। उल्लेखनीय है कि करीब पैंतीस लाख की आबादी वाला यह हरा भरा कृषि प्रधान देश अहिंसक आहार से दूर है, इससे पूर्व दूतावास के अधिकारी सर नरेश यादव ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि जॉर्जिया में दूतावास अभी कुछ माह पहले ही चालू हुआ है इससे पहले अरमानिया के दूतावास से कार्य संचालित होता था। दूतावास के अधिकारियों के मृदु व्यवहार व हिंदी भाषा के प्रति लगाव की सभी ने सराहना की।

भीलवाड़ा में मुनि संघ का भव्य मंगल प्रवेश

प्रकाश पाटनी, संवाददाता

भीलवाड़ा, 2 जुलाई। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्री मुनि अनुपम सागर महाराज एवं मुनि निर्मोह सागर महाराज का सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर भीलवाड़ा में भव्य अगवानी के साथ मंगल प्रवेश हुआ। बड़ी तादाद में जन समुदाय उपस्थित रहा। अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद नगर कॉलोनी से मुनि ससंघ विहार करते रेलवे स्टेशन सर्किल, गोल प्याऊ, नगर परिषद, राजेंद्र मार्ग, बॉयज कॉलेज रोड, पैराडाइज मार्केटिंग शोरूम, कावां खेड़ा, हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा। शोभा यात्रा में जगह-जगह श्रावकों ने मुनि ससंघ का पाद प्रक्षालन व आरती की। भीलवाड़ा के सभी मंदिरों की महिला मंडलों ने अपने बैनर के साथ 16 सपने, डांडिया, कलश, छतरी, बैलून, कमल, स्वास्तिक, अनुपम वाणी प्रोप, ओम, कलश प्रोप, जैन प्रतीक, जैन चक्र, छत्र प्रोप, 16 भावना, पचरंगी झंडा, आदि प्रतीक चिन्ह अपने हाथों में लिए नाचते, उमंग के साथ जयकारा करते चल रहे थे।

सेवा धर्म समाज की आगम के अनुकूल। यह पुनीत उद्देश्य है जैन गजट का मूल।।
जैन गज़ट शिकायत 9415008344 जैन गज़ट

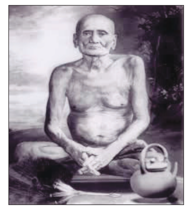

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

Shree Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha
5, Khandewal Digamber Jain Mandir Complex,
Raja Bazar, Connaught Place, New Delhi-110001 T.: 011- 2334 4668, 2334 4669
e-mail: digjainmahasabha@gmail.com, digjainmahasabha@yahoo.com

दिनांक 30 जून, 2025

चुनाव की अधिसूचना
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

(धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला महासभा) की त्रैवार्षिक साधारण सभा, त्रैवार्षिक चुनाव एवं खुले अधिवेशन की अधिसूचना

मान्यवर,

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की प्रबंधकारिणी समिति (धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला महासभा) की शनिवार 14 जून, 2025 की बैठक के निर्णयानुसार महासभा की समस्त संस्थाओं के त्रैवार्षिक चुनाव हेतु साधारण सभा की बैठक रविवार 27 जुलाई, 2025 को श्री महावीर जी, जिला - करौली राजस्थान में होना निश्चित किया गया था। लेकिन महिलाओं का प्रमुख पर्व हरियाली तीज रविवार 27 जुलाई, 2025 को है। इस संबंध में महिला महासभा के पदाधिकारियों का एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें उन्होंने महासभा का चुनाव 27 जुलाई, 2025 से आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

अतः यह निर्णय लिया गया है कि श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला महासभा) का त्रैवार्षिक चुनाव अब रविवार **दिनांक 03 अगस्त, 2025 को** पूर्व निश्चित स्थान श्री महावीर जी, जिला-करौली राजस्थान में सम्पन्न होगा।

त्रैवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी श्री सुरेश लुहाड़िया जैन (कुलाधिपति, तीर्थंकर महावीर यूनीवर्सिटी, मुरादाबाद) (मो. 09837040040), चुनाव अधिकारी-श्री गजेन्द्र बज, चार्टड अकाउंटेंट, नई दिल्ली (मो. 9810308841) एवं चुनाव अधिकारी- श्री अनुज जैन, एडवोकेट दिल्ली (मो. 9212196159) सम्पन्न करेंगे।

चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशी नामांकन पत्र भरकर प्रस्तावक व अनुमोदक द्वारा समर्थित करवाकर, नामांकन राशि के साथ चुनाव अधिकारी को दिल्ली कार्यालय के पते (5, खण्डेलवाल दिगम्बर जैन मन्दिर, कनॉट प्लेस, राजा बाजार, नई दिल्ली-110001, **फोन: कार्तिकेय जी 99101 13898, गौरव जी 9871088011 (e-mail : digjainmahasabha@gmail.com)** को 'जैन गजट' में प्रकाशित चुनाव अधिसूचना के बाद भेज सकते हैं। **नामांकन पहुंचने की अंतिम तिथि शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025, सायं 5:00 बजे तक है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि मंगलवार 29 जुलाई 2025 सायं 5:00 बजे तक है।** 'जैन गजट' में प्रकाशित नामांकन पत्र या उसकी फोटो कॉपी मान्य होगी। प्रत्याशी, समर्थक एवं अनुमोदक का सदस्य होना अनिवार्य है। उनका नाम संस्था की सदस्यता सूची में होना चाहिए और कोई सदस्यता शुल्क बकाया नहीं होना चाहिए। नामांकन पत्र अपूर्ण होने पर एवं उसके साथ नामांकन राशि न देने पर नामांकन पत्र अस्वीकृत कर दिया जायेगा। यह चुनाव निम्न पदों के लिए हैः

मतदान प्रक्रिया में महासभा के संशोधित नियमावली के अनुसार महासभा के चेरिटेबुल ट्रस्ट के ट्रस्टीगण एवं महासभा के अधिकृत सदस्य ही महासभा की मतदान प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

नोट:- विस्तृत जानकारी हेतु महासभा के कार्यालय से सम्पर्क करें।

(फोनः कार्तिकेय जी 99101 13898, गौरव जी 9871088011) चुनाव यदि आवश्यक हुआ तो निम्न पदों के लिये चुनाव होगाः-

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (धर्म संरक्षिणी) महासभा :-

क्र.	पद नाम	पद संख्या
1.	अध्यक्ष	1
2.	कार्याध्यक्ष	2
3.	उपाध्यक्ष	5
4.	महामंत्री	1
5.	संयुक्त महामंत्री	2
6.	कोषाध्यक्ष	1
7.	सह कोषाध्यक्ष	1
8.	कार्यकारिणी सदस्य	11

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (तीर्थ संरक्षिणी) महासभा :-

क्र.	पद नाम	पद संख्या
1.	कार्याध्यक्ष	2
2.	उपाध्यक्ष	5
3.	महामंत्री	1
4.	संयुक्त महामंत्री	2
5.	कोषाध्यक्ष	1
6.	सह कोषाध्यक्ष	1
7.	कार्यकारिणी सदस्य	11

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (श्रुत संवर्धिनी) महासभा :-

क्र.	पद नाम	पद संख्या
1.	कार्याध्यक्ष	2
2.	उपाध्यक्ष	5
3.	महामंत्री	1
4.	संयुक्त महामंत्री	2
5.	कोषाध्यक्ष	1
6.	सह कोषाध्यक्ष	1
7.	कार्यकारिणी सदस्य	11

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (महिला) महासभा :-

क्र.	पद नाम	पद संख्या
1.	अध्यक्ष	1
2.	कार्याध्यक्ष	2
3.	उपाध्यक्ष	5
4.	महामंत्री	1
5.	संयुक्त महामंत्री	2
6.	कोषाध्यक्ष	1
7.	सह कोषाध्यक्ष	1
8.	कार्यकारिणी सदस्य	11

नामांकन सदस्यता शुल्क चैक/ड्राफ्ट पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ को देय या ऑनलाइन ''श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, लखनऊ, एकाउण्ट नं० 2405000100033312, RTGS/NEFT / IFSC Code PUNB0185600 में जमा कर सकते हैं।

अध्यक्ष	-	25,000/-
कार्याध्यक्ष	-	25,000/-
उपाध्यक्ष/महामंत्री/कोषाध्यक्ष	-	21,000/-
संयुक्त महामंत्री/मंत्री/सह-कोषाध्यक्ष	-	11,000/-
कार्यकारिणी सदस्य	-	5,100/-

किसी भी प्रकार का विरोधाभास होने पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार चुनाव अधिकारियों को होगा जो बिना किसी विवाद के प्रत्याशी/प्रस्तावक/अनुमोदक एवं सदस्यों को स्वीकार होगा।

सदस्यों की सूची लखनऊ कार्यालय में उपलब्ध है।

त्रिवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया
मुख्य चुनाव अधिकारी
श्री सुरेश लुहाड़िया जैन, मुरादाबाद
(कुलाधिपति तीर्थंकर महावीर यूनीवर्सिटी, मुरादाबाद) (मो. 09837040040)
चुनाव अधिकारी:
श्री गजेन्द्र बज, चार्टड अकाउंटेंट, नई दिल्ली (मो. 9810308841)
चुनाव अधिकारी:
श्री अनुज जैन, एडवोकेट दिल्ली (मो. 9212196159)

जो मान्य सदस्य सदस्यता सूची में हैं, उनसे अनुरोध है कि चुनाव अधिसूचना को ध्यान में रखकर इस अवसर पर अवश्य पधारकर मतदान प्रक्रिया में भाग लेकर महासभा को सहयोग प्रदान करें।

आवास की व्यवस्था श्री महावीर जी स्थित धर्मशालाओं में की गई है। महासभा के समस्त सदस्यों से निवेदन है कि अपने आगमन की सूचना दिल्ली कार्यालय के पते एवं टेलीफोन नं. सेलः कार्तिक 99101 13898, गौरव 9871088011 पर देने की कृपा करें ताकि आवासादि का समुचित प्रबंध किया जा सके।

- निवेदक -

प्रकाशचन्द्र जैन बड़जात्या
राष्ट्रीय महामंत्री- महासभा

राजकुमार जैन सेठी
राष्ट्रीय महामंत्री- तीर्थ संरक्षिणी

डॉ. निर्मल कुमार जैन
राष्ट्रीय महामंत्री- श्रुत संवर्धिनी

डॉ. ज्योत्स्ना जैन
राष्ट्रीय महामंत्री- महिला महासभा

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा त्रैवार्षिक चुनाव में भाग लेने हेतु नामांकन–पत्र

रविवार दिनांक 03 अगस्त, 2025

स्थानः अतिशय क्षेत्र, म्यूजियम सभागार, श्री महावीर जी, जिला-करौली (राजस्थान)

श्रीयुत मुख्य चुनाव अधिकारी - श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

मैं श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के चुनाव में निम्न पद हेतु अपना नामांकन, जो प्रस्तावित एवं अनुमोदित है, प्रस्तुत करता/करती हूँ। मैं महासभा की नियमावली के उद्देश्य एवं संविधान के नियम-उपनियमों से पूर्ण रूपेण सहमत हूँ। मैं इस महासभा के नियम व उद्देश्य का पालन एवं उसके प्रस्तावों के प्रचार करने और संस्था को हर प्रकार से सहायता पहुँचाने में सदा तत्पर रहूँगा/रहूँगी। मैं आगम विरुद्ध विचारों से सर्वथा असहमत हूँ। मुख्य चुनाव अधिकारी का निर्णय मुझे बिना किसी विवाद के मान्य होगा। मेरी महासभा की सदस्यता-धर्म संरक्षिणी/तीर्थ संरक्षिणी/श्रुत संवर्धिनी/महिला (टिक ✓ करें) सदस्यता संख्या .... वर्ष...............................है।

कृपया सम्बन्धित ब्लॉक में संस्था एवं चुनाव हेतु पद (टिक ✓) करें।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (धर्म संरक्षिणी) महासभाः

अध्यक्ष ☐ कार्याध्यक्ष ☐ उपाध्यक्ष ☐ महामंत्री ☐ संयुक्त महामंत्री ☐ कोषाध्यक्ष ☐
सह कोषाध्यक्ष ☐ कार्यकारिणी सदस्य ☐

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभाः

कार्याध्यक्ष ☐ उपाध्यक्ष ☐ महामंत्री ☐ संयुक्त महामंत्री ☐ कोषाध्यक्ष ☐
सह कोषाध्यक्ष ☐ कार्यकारिणी सदस्य ☐

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन श्रुत संवर्धिनी महासभाः

कार्याध्यक्ष ☐ उपाध्यक्ष ☐ महामंत्री ☐ संयुक्त महामंत्री ☐ कोषाध्यक्ष ☐
सह कोषाध्यक्ष ☐ कार्यकारिणी सदस्य ☐

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला महासभाः

अध्यक्षा ☐ कार्याध्यक्षा ☐ उपाध्यक्ष ☐ महामंत्री ☐ संयुक्त महामंत्री ☐ कोषाध्यक्ष ☐
सह कोषाध्यक्ष ☐ कार्यकारिणी सदस्य ☐

नामांकन-पत्र निर्धारित शुल्क (रुपये.................................) के साथ RTGS/UTR बैंक ड्राफ्ट / चेक नम्बर...दिनांक ..../ऑनलाइन द्वारा 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के पक्ष में प्रस्तुत करता/करती हूँ जिसकी रसीद संलग्न है।

हस्ताक्षर प्रत्याशी ☐ नामः ....

पताः ....

मो. ई-मेलः..

सदस्यताः धर्म ☐ / तीर्थ ☐ / श्रुत ☐ / महिला ☐ : सदस्यता सं.: ....

वर्षः ....

हस्ताक्षर प्रस्तावक ☐ नाम ....

पता ....

मो. ....

सदस्यताः धर्म ☐ / तीर्थ ☐ / श्रुत ☐ / महिला ☐ : सदस्यता सं.: ....

वर्षः ....

हस्ताक्षर अनुमोदक ☐ नाम..

पता ....

मो..

सदस्यताः धर्म ☐ / तीर्थ ☐ / श्रुत ☐ / महिला ☐ : सदस्यता सं.: ....

वर्षः ....

श्रीयुत मुख्य चुनाव अधिकारी

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

(धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला महासभा) का

त्रैवार्षिक चुनाव / साधारण सभा

स्थान- म्यूजियम सभागार, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
श्री महावीर जी, जिला-करौली राजस्थान
रविवार, 03 अगस्त 2025

प्रतिनिधि (Proxy) उपस्थिति फार्म

नामः..

संस्था के ट्रस्टी / सदस्यता श्रेणी का विवरण (टिक ✓ करें): महासभा चेरिटेबल ट्रस्ट/धर्म संरक्षिणी/तीर्थ संरक्षिणी/श्रुत संवर्धिनी/महिला महासभा/अधिकृत सदस्य

ट्रस्टी / सदस्यता संख्याः ....ट्रस्टी / सदस्यता वर्षः ....

पताः..

फोन नं (एसटीडी सहित): ....

मोबाइलः ....

ई-मेलः......................................

दिनांकः ....हस्ताक्षरः ट्रस्टी/सदस्य/ प्रॉक्सी

प्रॉक्सी फार्म

नामः..

ट्रस्टी / सदस्यता संख्याः .... ट्रस्टी /......................

सदस्यता वर्षः ....

मै 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के' त्रैवार्षिक चुनाव/साधारण सभा की बैठक रविवार, 03 अगस्त 2025 को उपस्थित नहीं हो सकूँगा।

अतः मैं श्री..

पताः..

को अपनी ओर से महासभा के धर्म संरक्षिणी/तीर्थ संरक्षिणी/श्रुत संवर्धिनी महासभा के समस्त पदाधिकारियों को मतदान करने हेतु प्रॉक्सी नियुक्त करता हूँ।

प्रमाणित हस्ताक्षर (प्रॉक्सी)

हस्ताक्षर (सदस्य)

नोटः कृपया महासभा के त्रैवार्षिक चुनाव / साधारण सभा में दिनांक 03 अगस्त 2025 को प्रॉक्सी (Proxy) मतदाता अपना मूल पहचान पत्र यथाः आधार कार्ड /वोटर आईडी/पेन कार्ड अवश्य प्रस्तुत करें।

मुख्य चुनाव अधिकारी -
वास्ते श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

शेष पृष्ठ 7 का

गिरनार जी में देश के विभिन्न प्रांतों से विद्वान, श्रेष्ठि व युवा पहुंचे। इस अवसर पर संजय जैन, विश्व जैन संगठन अध्यक्ष के नेतृत्व में दिल्ली से 1500 किमी लंबी विशाल धर्म पदयात्रा श्री नेमिनाथ भगवान के मोक्ष स्थल गिरनार पहुंची, सभी ने मिलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांति के साथ भगवान नेमीनाथ जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया। संजय जैन, विश्व जैन संगठन अध्यक्ष ने सभी आचार्यश्री, मुनिश्री, आर्यिकाश्री सभी पंचपरमेष्ठियों एवं गिरनार गौरव आचार्य श्री निर्मल सागर जी महाराज के जयकारे के साथ, मुनिश्री धरसेन सागर जी, गिरनार पीठाधीश कर्मयोगी क्षुल्लक रत्न समर्पण सागर जी महाराज के मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में देश भर की जैन समाज की प्रमुख राष्ट्रीय संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। संजय जैन ने कहा कि यह यात्रा किसी संगठन या व्यक्ति विशेष की नहीं है, यह यात्रा सकल जैन समाज की यात्रा है। नेमिनाथ भगवान किसी व्यक्ति विशेष या धर्म विशेष के नहीं थे, पूरे देश के थे। देश भर से आये जैन समाज की प्रमुख राष्ट्रीय संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित डॉ. प्रभाकिरण जैन की पुस्तक 'गिरनार-सत्य और तथ्य' का लोकार्पण किया, पुस्तक में गुजरात जूनागढ़ स्थित गिरि गिरनार ऊर्जयन्त, सहस्राम्रवन, नेमिनाथ, श्रीकृष्ण, यदुवंश, जैन धर्म तथा अन्य प्रकरणों के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक, सांस्कृतिक पक्षों को प्रामाणिक और तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। नेमिनाथजी भगवान श्रीकृण के चचेरे भाई थे। इस पावन अवसर पर महासभा के पदाधिकारियों व विभिन्न प्रांतों से विद्वान, श्रेष्ठि व युवा श्रद्धालुओं ने गिरनार तीर्थ की वंदना कर मोक्षमार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

आचार्यश्री पुलकसागर जी का उदयपुर में चातुर्मास

नागपुर। भारत गौरव राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य श्री पुलक सागरजी गुरुदेव का वर्ष 2025 का चातुर्मास राजस्थान की झीलों की नगरी, प्राकृतिक सुंदरता, महलों के लिए प्रसिद्ध उदयपुर में हो रहा है। आचार्य श्री पुलक सागरजी गुरुदेव के मीडिया प्रभारी रमेश उदेपुरकर ने बताया कि 12 जुलाई को दोपहर 2 बजे नगर निगम प्रांगण में गुरु गुणगान महोत्सव का आयोजन किया गया है। 13 जुलाई को दोपहर 2 बजे नगर निगम प्रांगण में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन किया है।

डिप्रेशन से बचने के लिए अध्यात्म विद्या को जीवन में आत्मसात कीजिए

ज्ञान का फल है ''मुस्कान'' उसे अपने चेहरे पर बनाए रखिए

मंदिरों की चुप्पी में गूंजता है धर्म का पतन: क्या जैन समाज अब भी नहीं जागेगा?

डॉ. संतोष जैन
काला (CA)
गुवाहाटी
मो. 9435048488

आज का युग बाहरी भव्यता और दिखावे का बन चुका है। हर जगह धर्म के नाम पर बड़े-बड़े आयोजन, भव्य शोभायात्राएँ, लाखों-करोड़ों की सजावट, मंदिरों की जगमगाती लाइटें और मीडिया की उपस्थिति अनिवार्य सी हो गई है। एक ओर यह सब देखने में आकर्षक लगता है, तो दूसरी ओर एक गंभीर प्रश्न उठता है - क्या यही धर्म का वास्तविक विकास है, या यह केवल दिखावे की दौड़ है? क्या यह भक्ति है या पद और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन?

जैन धर्म, जो संयम, तप, आत्मानुशासन और मौन साधना का प्रतीक रहा है, आज उसी समाज के मंदिरों में आडंबर और प्रचार की चकाचौंध में उलझता जा रहा है। वह धर्म, जो आत्मा के शुद्धिकरण और सत्य की खोज का मार्ग था, आज मंचों, माइक और माला पहनाने की होड़ में अपनी आत्मा खो रहा है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब आम श्रावक सवाल पूछने से डरता है। मंदिरों की व्यवस्थाएँ जैसे कुछ गिने-चुने लोगों के हाथ में कैद हो गई हैं, जहाँ सत्ता और पद का नशा सेवा से बड़ा हो गया है। यदि कोई श्रावक यह पूछे कि चातुर्मास में साधुओं के साथ यह इवेंट मैनेजमेंट जैसा व्यवहार क्यों? या पंचकल्याणक में दान के नाम पर बोली क्यों लग रही है? तो उसे 'अस्थिर', 'अज्ञानी' या 'विरोधी' करार दे दिया जाता है। सवाल पूछना अपराध बना दिया गया है। लेकिन सवाल पूछना धर्म-विरोध नहीं, धर्म-रक्षा है। जब मंदिर में भगवान के स्थान पर ट्रस्टियों के फोटो चमकने लगें, जब अभिषेक से ज्यादा ध्यान मंच पर बोलने वाले पर हों और जब धार्मिक कार्यक्रमों में सच्चाई की जगह सिर्फ तालियाँ बटोरी जाएँ - तब समझना चाहिए कि धर्म पथ से भटक चुका है।

यह लेख एक आह्वान है - जागो, सोचो, और बोलो। धर्म की सच्ची सेवा तब होगी जब हर श्रावक निर्भय होकर सवाल पूछेगा, जवाब माँगेगा और दिखावे की जगह आचरण को महत्व देगा। यह समय है धर्म को अंधेरे से बाहर लाने का - साधना और सच्चाई के प्रकाश में लौटने का।

1. मंदिर और श्रद्धा - एक पवित्र रिश्ता - मंदिर हमेशा से केवल ईंट और पत्थरों की इमारत नहीं रहे, बल्कि श्रद्धा, साधना और आत्मिक विकास का केंद्र रहे हैं। जैन धर्म में तो मंदिर का महत्व और भी गहरा है - वहाँ जाकर केवल पूजा नहीं होती, बल्कि आत्मचिंतन, स्वाध्याय और आत्ममंथन की प्रक्रिया होती है। मंदिर वह स्थान होता है जहाँ व्यक्ति भीड़ में होकर भी अपने अंतरात्मा से जुड़ता है। आचार्य कुंदकुंद का यह वचन - ''मंदिर वह स्थान है जहाँ आत्मा ईश्वर से नहीं, स्वयं से मिलती है'', इस बात को और भी स्पष्ट करता है कि मंदिर आत्म-ज्ञान और आत्म-साक्षात्कार का माध्यम है।

लेकिन आज स्थिति चिंताजनक रूप ले चुकी है। अनेक मंदिरों में अब श्रद्धा की जगह प्रदर्शन, पूजा की जगह प्रबंधन और सेवा की जगह सत्ता दिखाई देती है। आरती, भोग और चढ़ावे ही मंदिर की पहचान बनते जा रहे हैं, जबकि आत्मिक साधना जैसे पीछे छूटती जा रही है। व्यवस्थाएँ कुछ लोगों के हाथ में केंद्रित हो गई हैं और मंदिर अब समाज की आत्मिक उन्नति का नहीं, सत्ता और प्रभाव का केंद्र बनते जा रहे हैं। यही वह प्रश्न है जो समाज को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है - क्या हम मंदिर के उद्देश्य से भटक तो नहीं गए?

2. ट्रस्ट - भगवान नहीं, जवाबदेह होना चाहिए - हर जैन मंदिर की व्यवस्था एक ट्रस्ट के माध्यम से संचालित होती है, जो समाज की आस्था, धन और विश्वास से चलता है।

यह ट्रस्ट समाज की सेवा और मंदिर की मर्यादा बनाए रखने के लिए होता है - न कि निजी सत्ता या नियंत्रण का माध्यम बनने के लिए। लेकिन आज अनेक स्थानों पर यह संतुलन बिगड़ गया है।

ट्रस्टियों का चयन अक्सर पारदर्शिता से नहीं होता। वर्षों से वही नाम, वही चेहरे, और वही ठेकेदार व्यवस्था पर काबिज रहते हैं। नए लोगों को न तो मौका मिलता है और न ही मंदिर की व्यवस्थाओं में भागीदारी का अधिकार। ट्रस्ट द्वारा किए गए खर्चों और आय का ब्यौरा समाज के सामने नहीं आता, और यदि कोई श्रावक सवाल पूछे तो उसे उपेक्षित या विरोधी ठहरा दिया जाता है। यह सोच खतरनाक है कि 'हम ट्रस्टी हैं, जो चाहें कर सकते हैं।' ट्रस्ट का मतलब है - विश्वास, उत्तरदायित्व और जवाबदेही।

भगवान से कोई हिसाब नहीं मांगता, क्योंकि वहाँ श्रद्धा होती है। लेकिन ट्रस्टी भगवान नहीं हैं। उन्हें समाज को उत्तर देना ही होगा, क्योंकि वे उस धन, आस्था और मंदिर की जिम्मेदारी उठाते हैं जो हजारों लोगों की भावना से जुड़ा होता है। समाज को अब यह समझने और माँग करने की आवश्यकता है कि ट्रस्ट जवाबदेह हों - पारदर्शी हों। यही मंदिर की गरिमा और धर्म की सच्ची सेवा है।

3. जब सवाल पाप बन जाए - धर्म का अपमान नहीं, रक्षा है सवाल पूछना - मंदिर समाज की आस्था का केंद्र होता है और ट्रस्ट उसका संरक्षक। ऐसे में जब कोई श्रावक यह पूछे कि 'मंदिर का पैसा कहाँ खर्च हुआ?', 'योजना में पारदर्शिता क्यों नहीं है?', या 'ट्रस्टी सालों से बदले क्यों नहीं?', तो यह सवाल धर्म विरोध नहीं, बल्कि धर्म रक्षा का प्रयास है। पर आज की स्थिति यह बन गई है कि सवाल पूछना पाप समझा जाने लगा है।

जो भी व्यक्ति मंदिर की व्यवस्था पर सवाल उठाता है, उसे तुरंत 'झगड़ालू', 'विघ्नकर्ता', या 'मान-अपमान करने वाला' कहा जाने लगता है। उसे मंच से दूर कर दिया जाता है, धार्मिक आयोजनों में भागीदारी से वंचित किया जाता है और कई बार समाज से बहिष्कृत करने की कोशिश की जाती है। यह मानसिकता न केवल त्रुटिपूर्ण है, बल्कि समाज के लिए भी अत्यंत हानिकारक है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि जो श्रद्धालु सवाल करता है, वह दरअसल मंदिर की गरिमा को बचाना चाहता है। वह चाहता है कि भगवान के नाम पर किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो, और जो सेवा समाज के लिए की जा रही है, वह ईमानदारी और पारदर्शिता से हो। ऐसे व्यक्ति को तिरस्कृत करना, दरअसल उस धर्म को ही चोट पहुँचाना है जिसे हम बचाना चाहते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था, ''संशय और प्रश्न से ही विवेक का जन्म होता है।'' धर्म को अंधभक्ति नहीं, विवेक की जरूरत है। इसलिए जो भी श्रावक ईमानदारी से सवाल उठाता है, उसे दुत्कारा नहीं जाना चाहिए - उसे तो मंच पर बुलाकर उसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि जो सवाल करता है, वही सच्चे अर्थों में धर्म का प्रहरी है।

4. पारदर्शिता ही धर्म है - जवाबदेही से ही बनेगा विश्वास - हर धार्मिक संस्था, विशेषकर मंदिर और उनके ट्रस्ट, समाज की श्रद्धा, आस्था और आर्थिक सहयोग पर टिके होते हैं। जब समाज अपने पसीने की कमाई से दान देता है, तो वह केवल धन नहीं देता - वह विश्वास देता है। और जहाँ विश्वास होता है, वहाँ जवाबदेही भी अनिवार्य हो जाती है।

आज कई मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं में यह भावना पनप चुकी है कि ट्रस्ट चाहे जैसा भी काम करे, किसी को जवाब नहीं देना। लेकिन यह सोच धर्म के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। जैन धर्म में भी अपरिग्रह और सत्य की शिक्षा दी जाती है - और इन दोनों का सार है पारदर्शिता।

जब समाज ट्रस्ट को दान देता है, तो यह उसका अधिकार है कि वह जान सके - उस पैसे का उपयोग कहाँ हुआ, कैसे हुआ, और क्यों हुआ। हर खर्च का विवरण, हर योजना की रूपरेखा और हर निर्णय की प्रक्रिया - सब कुछ समाज के सामने खुले रूप में आना चाहिए। इससे न केवल ट्रस्ट की गरिमा बढ़ती है, बल्कि समाज का विश्वास भी गहराता है। दूसरी ओर, यदि पारदर्शिता नहीं होगी, तो सवाल उठेंगे और यदि सवालों को दबाया गया, तो संदेह, कलह और विघटन की स्थिति पैदा होगी। धर्म की रक्षा तब नहीं होती जब सवालों को चुप करा दिया जाए, बल्कि तब होती है जब हर सवाल का उत्तर ईमानदारी से दिया जाए। सच्चा धर्म वही है जो खुलापन, सत्य और उत्तरदायित्व की भावना से जुड़ा हो इसलिए हर धार्मिक संस्था को यह समझना होगा कि पारदर्शिता कोई विकल्प नहीं, बल्कि उसकी आत्मा है।

जो समाज से लेता है, उसे समाज को जवाब देना भी धर्म का ही हिस्सा है - और यही धर्म की सबसे बड़ी सेवा है।

उदाहरण - श्री शांतिनाथ जिनालय, इंदौर में हर वर्ष आय-व्यय विवरण दीवार पर चिपकाया जाता है।

बेंगलुरु के एक मंदिर में श्रावकों के लिए मासिक ऑडिट रिपोर्ट जारी की जाती है।

राजस्थान के एक ट्रस्ट ने हर तीन साल में चुनाव अनिवार्य कर रखा है।

ऐसे उदाहरण प्रेरणा देते हैं कि पारदर्शिता असंभव नहीं है, बस नीयत होनी चाहिए।

5. सत्ता बनाम सेवा - मंदिर व्यवस्था का सच्चा मूल्यांकन - धर्म का मूल उद्देश्य सेवा, समर्पण और आत्मिक उत्थान है, न कि पद, प्रतिष्ठा और वर्चस्व की होड़ लेकिन आज अनेक मंदिरों में कुछ गिने-चुने चेहरों का स्थायी वर्चस्व दिखाई देता है - वही आयोजन समिति, वही ठेकेदार, वही मंच संचालन। हर धार्मिक कार्यक्रम जैसे उनके नाम से जुड़ा होता है, और आम श्रावक केवल एक मूक दर्शक या भीड़ का हिस्सा बनकर रह जाता है।

यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि यह धर्म के लोकतांत्रिक स्वरूप को नष्ट कर धार्मिक तानाशाही की ओर इशारा करती है। पं. श्रीमद राजचंद्र का यह वाक्य - ''जहाँ धर्म सत्ता बन जाए, वहाँ ईश्वर दूर हो जाता है'', इस सत्य को उजागर करता है कि जब धर्म में सेवा नहीं, बल्कि नियंत्रण की भावना आ जाए, तो वहाँ से ईश्वर की अनुभूति समाप्त हो जाती है।

हर आयोजन में यदि वही चेहरे हों, और नए लोगों को भागीदारी का अवसर न मिले, तो यह न केवल अन्याय है, बल्कि समाज के सामूहिक विकास के मार्ग में बाधा भी है। मंदिर की व्यवस्था सेवा का माध्यम होनी चाहिए, न कि स्थायी सत्ता का केंद्र। इसलिए जरूरी है कि समाज सक्रिय हो, और मंदिरों को सेवा आधारित, समावेशी और पारदर्शी बनाएं - तभी सच्चे धर्म की प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

6. समाज की चुप्पी - जब समाज अन्याय और अनाचार पर चुप्पी साध लेता है, तब वही चुप्पी धर्म के पतन की नींव बन जाती है। जब भ्रष्टाचार पर सवाल उठाना अशिष्टता समझा जाए और सत्य बोलने वाले को समाज से बहिष्कृत कर दिया जाए, तब समझ लेना चाहिए कि धर्म केवल दिखावे का ढांचा रह गया है। मंदिर ईश्वर की साधना का नहीं, केवल ईंट और पत्थर की इमारत बनकर रह जाता है। धर्म का सार आत्मशुद्धि, सत्य और साहस में है - न कि चुपचाप आँखें मूँदकर सब सह लेने में। समाज की चुप्पी सबसे बड़ा पाप है, जो धर्म को अंदर से खोखला कर देती है।

7. अब क्या किया जाए? - समाधान और संकल्प -

- ट्रस्ट में पारदर्शी चुनाव अनिवार्य किए जाए।
- हर मंदिर की वेबसाइट या सूचना पटल पर आय-व्यय विवरण उपलब्ध हो
- हर आयोजन का सार्वजनिक बजट और ऑडिट हो।
- ट्रस्ट के कार्यों में युवाओं और महिलाओं को भी जोड़ा जाए।
- सवाल पूछने वालों को सम्मान मिले, तिरस्कार नहीं।

8. संकल्प - ''अब हम भगवान के नाम पर होने वाले हर कार्य का सत्य जानना चाहेंगे।''

हम पूछेंगे - पैसा कहाँ खर्च हुआ?
हम जानेंगे - ट्रस्ट में कौन लोग बैठे हैं?
हम कहेंगे - पारदर्शिता ही धर्म की पहली शर्त है।

और अगर जवाब नहीं मिला, तो हम शांत नहीं बैठेंगे।

9. उपसंहार - धर्म की रक्षा जागरूकता से होती है, चुप्पी से नहीं।

धर्म की रक्षा केवल मंदिरों की भव्यता या घंटियों की गूंज से नहीं होती, बल्कि जागरूक, सचेत और सजग श्रद्धालुओं से होती है। जब समाज अपने धर्म को समझकर, सोचकर और जिम्मेदारी से जीता है, तभी धर्म जीवंत रहता है। लेकिन अगर हम आज भी चुप रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब हमारी आने वाली पीढ़ियाँ मंदिरों को केवल एक 'टूरिस्ट स्पॉट' या फोटो स्टूडियो समझेंगी - जहाँ आस्था नहीं, सिर्फ सजावट बची होगी। धर्म ईंट-पत्थरों की दीवारों में नहीं, बल्कि हमारी चेतना में है - हमारे विचार, व्यवहार और सवालों में है। जब हम सत्य के लिए खड़े होते हैं, तब हम धर्म की रक्षा करते हैं। इसलिए हमें अब चुप दर्शक नहीं, जिम्मेदार श्रद्धालु बनना होगा - जो व्यवस्था से सवाल करे, जवाब मांगे और धर्म को केवल दिखावा नहीं, सच्चे आचरण से जिए। क्योंकि ''जिस समाज में सवाल पूछना पाप बन जाए, वहाँ भगवान भी मौन हो जाते हैं।''

अब समय आ गया है - मौन तोड़ने का और धर्म को सच में जीने का।

मुनिपुंगव के जिज्ञासा समाधान से

संकलन - शुभम जैन, पृथ्वीपुर

- सम्यक्दृष्टि अपने आप में प्रशम भाव रखता है, प्रतिकूल परिस्थितियों के आने पर वह उत्तेजित नहीं होता, कदाचित उत्तेजना आ भी जाती है तो वह अपने आप को बहुत जल्दी सँभाल लेता है।
- शोर सूतक में मोबाइल से जिनवाणी जो ग्रन्थ रूप में है, उसको नहीं पढ़ सकते। यदि आपको कंठस्थ है या कोई आपको पुस्तक दिखाए तो आप उसका पाठ कर सकते हैं।
- शुद्धोपयोग की बात तो बहुत दूर रही, शुभोपयोग भी एक बार प्राप्त हो जाता है तो नियम से वह मोक्ष का अधिकारी हो जाता है। शुद्धोपयोग प्राप्त करने के बाद मुनिराज मात्र 32 बार ही भावलिंगी मुनि बनेंगे, 32 बार में उन्हें केवलज्ञान होकर मोक्ष होगा ही होगा। शुद्धोपयोग नियम से भावलिंगी मुनि को ही होता है और सप्तम गुणस्थान से नीचे नहीं होता।
- दो प्रतिमाओं में बाह्य नियम में मर्यादित भोजन, बिलछानी युक्त पानी के नियम की मुख्यता है, बाकी परिग्रह परिमाण व्रत, दिग्व्रत, देशव्रत, अनर्थदंड व्रत आदि 12 व्रतों का पालन करें।
- धर्म व धर्मात्मा से खिलवाड़ करने का अर्थ ही है अनन्त संसार, मिथ्यादृष्टि। धर्मात्माओं का उपहास उड़ाना, कोई अपवाद करना, ये नियम से निधत्त निकाचित कर्मों के बंध का कारण होता है।
- चतुर वह होता है जो कुशलता से अपने कार्य को निपटा लेता है, सत्य-असत्य पर विचार नहीं करता, वो कहता है कार्य शांति से होना चाहिए। चालाक वह कहलाता है जो दूसरे को बर्बाद करके अपना स्वार्थ सिद्ध करता है। ज्ञानी वह कहलाता है जो स्वयं और दूसरे की भी हानि नहीं करता।
- दीवारें जब टूटती हैं तो व्यक्ति का उजाड़ हो जाता है लेकिन दीवारें जब खड़ी होती हैं तो अपने ही भुजाएं कटकर अलग हो जाती हैं। घर जब इकट्ठा था तो वास्तु से ठीक था, अब बटवारा कर लिया तो मिटना निश्चित है, बटवारा होने के बाद वास्तु से वही मकान तुम्हारे लिए अभिशाप बन जाता है। नीति है कि पूर्वजों की संपत्ति को बटवारा करने की अपेक्षा नई स्थापित करना चाहिए। बंटवारा होना चाहिए दीवालें उठाकर नहीं, नये मकान बनाकर के।
- बहुत आरंभ व परिग्रह नरक गति के कारण है। दूसरे के विनाश का भाव करना यही तो आरंभ है, दूसरे को दुख पहुंचाना, दूसरे से झूठ बोलना, चोरी करना, जिससे दूसरों को दुख पहुंचता है, वे सब आरंभ की कोटि में आते हैं।

स्याद्वाद महामस्तकाभिषेक का हुआ ऐतिहासिक भव्य आयोजन

600वें आयोजन में 700 युवा हुए सम्मिलित

नई दिल्ली (मनोज जैन नायक) अंतर्राष्ट्रीय स्याद्वाद युवा क्लब के सदस्यों द्वारा दिल्ली में 600वां सामूहिक महामस्तकाभिषेक कर एक इतिहास रच दिया। अत्यंत ही अद्भुत दृश्य भारत की राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित ''भगवान भरत ज्ञानस्थली तीर्थ'' में 22 जून 2025, रविवार को देखने को मिला, जब आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज द्वारा स्थापित स्याद्वाद युवा क्लब के 700 से अधिक युवाओं ने श्री जी का कलशाभिषेक किया। यह अवसर था 600वें साप्ताहिक अभिषेक-पूजन का, जो परम पूज्य आचार्य श्री श्रुतसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। प्रातः 5:30 से ही दिल्ली में स्थित चक्रवर्ती भरत भगवान का एक मात्र मंदिर जयकारों से गुंजायमान हो रहा था। हल्के गुलाबी रंग के धोती-दुपट्टे एवं माला-मुकुट से सुसज्जित, उत्साह से भरपूर युवाओं द्वारा भगवान भरत की 31 फुट ऊंची प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक किया गया। यह दृश्य श्रवणबेलगोला के भव्य आयोजन सम प्रतीत हो रहा था। आचार्य श्री के मुखारविंद से मंत्रोच्चारण के साथ शातिधारा पूर्ण हुई। अभिषेक पूजन के पश्चात कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन त्रिलोक तीर्थ कमेटी-बड़ागांव के अध्यक्ष श्रीमान गजराज जी गंगवाल, कार्याध्यक्ष श्री महेंद्र कुमार जी जैन, प्रचार मंत्री श्री श्यामलाल जी जैन, ट्रस्टीगण श्री

अनिल जैन, श्री जितेंद्र जैन, गोकुल चंद जी जैन, त्रिलोक जैन एवं ब्र. नवीन भैया द्वारा किया गया। 600वें साप्ताहिक अभिषेक के अवसर पर आचार्य श्री श्रुतसागर जी महाराज ने स्याद्वाद युवा क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार क्लब निस्वार्थ भाव से विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्य करते हुए आगे बढ़ रहा है, वह दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेश जी का नेतृत्व, उनकी सोच आगे और भी महत्वपूर्ण कार्य करने में सक्षम है। आचार्य श्री ने सभी को अपना मंगल आशीर्वाद दिया।

स्याद्वाद महामस्तकाभिषेक में सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री पवन गोधा जी, डॉ. डी. सी. जैन (सफदरजंग हॉस्पिटल), सीए प्रदीप जैन (नोएडा), जैन सभा राजा बाजार के अध्यक्ष श्री राजकुमार जी जैन, राहुल जैन (वाइस प्रेसिडेंट), अजय जैन (जॉइंट सेक्रेटरी), विकास जैन (सेक्रेटरी), श्री शरद जैन (सांध्य महालक्ष्मी), श्रीमती सुनीता काला (महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष-जैन एकता मंच) के साथ अनेक गणमान्य जनों की विशेष उपस्थिति रही। आयोजन में आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज की प्रेरणा से स्थापित शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था ''सन्मति फाउंडेशन'' के ट्रस्टी श्री अशोक जैन, श्री राजीव जैन, सीए शैलेंद्र जैन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा परिषद के अध्यक्ष श्री जीवन प्रकाश जी जैन के साथ श्रीमती सुनंदा जैन एवं अन्य पदाधिकारी गणों की विशेष उपस्थिति रही। महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में परम पूज्य आचार्य श्री श्रुतसागर जी महाराज के संघपति श्री राजेंद्र जैन जी को क्लब द्वारा ''जैन श्रावक स्याद्वाद रत्न ''के अलंकरण से विभूषित किया गया।

स्याद्वाद युवा क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेश जैन ने ''भरत ज्ञानस्थली तीर्थ'' के अध्यक्ष श्री राजकुमार जी जैन के साथ सम्पूर्ण कमेटी के सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। क्लब के सभी सदस्यों के योगदान व समर्पण भाव की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। आयोजन में क्लब के नन्हे मुन्ने बच्चों ने मंगलाचरण एवं क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों पर सुंदर नाटिका प्रस्तुत की। बच्चों के लिए अलग-अलग आयु वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता भी रखी गई थी। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन नीरू जैन ने किया। संगीत के मधुर स्वरों के साथ भजन-पूजन सृष्टि जैन-शिक्षा जैन (बाहुबली म्यूजिकल ग्रुप-फिरोजाबाद) द्वारा किया गया।

आर्यिका श्री विशाश्री माताजी ससंघ की भव्य आगवानी हुई एवं बड़नगर समाज की एकता की तारीफ की

बड़नगर (मध्य प्रदेश)। गणाचार्य आचार्य 108 श्री विराग सागरजी महाराज की परम प्रभावक शिष्या प्रथम गणिनी आर्यिका श्री 105 विशाश्री माताजी संसघ 16 आर्यिका माताजी का ससंघ का मालवा की धर्मनगरी बड़नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

आर्यिका माताजी संसघ की भव्य आगवानी में विधायक जितेन्द्र पंड्या, नगरपालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या, पूर्व विधायक मुरली मोरवाल, नरेन्द्र सिंह राजावत, अजीत टोंग्या, बार एसोसिएशन सतीश ओझा, प्रकाश मोदी, अशोक गोधा, गुणवन्त टोंग्या, नवीन काला, संजय पाटनी, अशोक शाह, नरेंद्र शाह, संजय बिलाला, प्रमोद गोधा, संजय पापलिया, मनोज बिलाला, सुनील कासलीवाल, प्रदीप गदीया, नवीन बिलाला, जितेन्द्र कासलीवाल, नमन बाकलीवाल, रजत टोंग्या, सार्थक वेद आदि सभी वरिष्ठ समाजजन ने माताजी की आगवानी की। यह मंगल प्रवेश अपने आप भी अलौकिक था। बड़नगर अपने नाम की सार्थकता को सिद्ध कर रहा था। भक्तिमय भजनों की धुन वातावरण को भक्तिमय बना रही थी। जब महिला मंडल अपनी ड्रेस कोड में मंगल कलश को लेकर संघ आगवानी कर रही थी तब विनय सत्कार का एक अलौकिक उदाहरण प्रस्तुत हो रहा था। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए स्वाध्याय भवन में संपन्न हुई जो धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। सभी बड़नगर समाज ने आर्यिका माताजी को श्रीफल भेंट कर चातुर्मास बड़नगर में हो इस हेतु निवेदन किया। धर्मसभा में चित्र अनावरण तेजकुमार प्रदीप, प्रमोद गोधा परिवार द्वारा, पाद प्रक्षालन अशोक कुमार, सुशील कुमार गोधा परिवार द्वारा किया गया। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य शान्तिलाल, मनोज कुमार संजय कुमार बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। मंगलाचरण मोना बाकलीवाल सिल्की टोंग्या ने किया। धर्म सभा संचालन नरेंद्र कासलीवाल ने किया।

बड़नगर अपने नाम की सार्थकता को सिद्ध करता है - मध्य प्रदेश राज्य के मालवा में स्थित बड़नगर अपने नाम की सार्थकता को सिद्ध करता है बड़नगर सचमुच बाद ही नगर है संतों की सेवा भक्ति समर्पण में बड़नगर अछूता नहीं है जिसकी तारीफ आर्यिका 105 विशाश्री माताजी ने की आर्यिका माताजी ने चातुर्मास होने की स्मृति को सांझा करते हुए कहा कि जब इंदौर में पहली बार बड़नगर समाज ने चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट कर निवेदन किया तो मैं आश्चर्य में पड़ गई कि बड़नगर कहां पर है। मेरा चातुर्मास पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, राजस्थान आदि जगह पर हुआ है, प्रथम बार मालवा के बड़नगर (म.प्र.) में होने जा रहा है। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागरजी का आदेश हुआ कि आपको बड़नगर में चातुर्मास करना है। माताजी ने बड़नगर में आने के बाद जमकर तारीफ की और कहा कि बड़नगर जैन समाज की एकता देखते ही बनती है इसलिए यह बड़भागा नगर है। यह जानकारी मनीष टोंग्या ने दी है।

शास्त्रि-परिषद के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जैन द्वारा सिद्धचक्र महामंडल विधान का पुण्यार्जन

विद्वानों के शिखर पुरुष द्वारा सिद्धार्चना अनुष्ठानः अगाध श्रद्धा-भक्ति के साथ विधान में उमड़े श्रद्धालु

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

बड़ौत। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद के यशस्वी अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत द्वारा श्री 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन 19 जून 2025 से 26 जून 2025 तक श्री 1008 शान्तिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कैनाल रोड, बड़ौत में किया गया। वैवाहिक जीवन की सफल एवं सिद्धार्थ यात्रा के 51 वर्ष पूरे होने के सुखद प्रसंग पर आयोजित इस अनुष्ठान में आदरणीय डॉ. साहब एवं उनके परिजन, पुरजन, बंधु-बान्धव तथा इष्ट मित्रों आदि सभी ने पूरे भक्ति भाव से सिद्ध परमेष्ठी भगवंतों की भक्ति अर्चना की। आयोजन में मुनि श्री निश्चितसागर जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्रि-परिषद के अध्यक्ष परिवार द्वारा आयोजित यह श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान शास्त्रि-परिषद् के महामंत्री ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत के कुशल निर्देशन, परिषद् के उपाध्यक्ष पंडित विनोद कुमार जी रजवांस के प्रतिष्ठाचार्यत्व तथा संयुक्त मंत्री डॉ. सोनल कुमार जैन, दिल्ली के विधानाचार्यत्व में संगीतकार रामकुमार भोपाल की संगीतमय स्वरलहरियों के माध्यम से सानन्द संपन्न हुआ। विधान में विधान पुण्यार्जक दंपती डॉ. श्रेयांस कुमार-श्रीमती ज्योतिमाला जैन ने यज्ञनायक-यज्ञनायिका के रूप में, डॉ. साहब के ज्येष्ठ पुत्र-पुत्रवधू श्री आलोक-वंदना जैन ने सौधर्म-शचि के रूप में द्वितीय पुत्र-पुत्रवधू श्री अंकेश-प्रगति जैन ने कुबेर-धनश्री के रूप में तथा शताधिक समाजजनों ने सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया।

असंयम से संयम का मार्ग ही जैनेश्वरी दीक्षा

- आचार्य निर्भय सागर जी

जैन अटा मंदिर में युगदृष्टा समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर जी का मनाया गया 58 वां दीक्षा दिवस

अक्षय अलया

ललितपुर। परिग्रह से अपरिग्रह की ओर बढ़ना, संसार से मुक्ति की ओर बढ़ना और असंयम से संयम की ओर बढ़ना ही जैनेश्वरी दीक्षा है। आचार्य विद्यासागर महाराज को युगदृष्टा बताते हुए वैज्ञानिक संत आचार्य श्री निर्भय सागर महाराज ने कहा कि हमारे गुरु मंत्र और तंत्र से दूर थे फिर भी सभी कार्य सफल होते थे। गुरू का नाम ही मंत्र और उनका आशीर्वाद ही यंत्र का काम करता है। उन्होंने भारतीय संस्कृत के उत्थान में गौशालाएं, गुरुकुल, अस्पताल और हथकरघा के माध्यम से समाज को जो संदेश दिया वह सदैव अनुकरणीय रहेगा। उक्त उद्बोधन जैन अटा मंदिर में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के 58 वें मुनि दीक्षा दिवस पर आयोजित वैज्ञानिक संत आचार्य निर्भय सागर महाराज ने व्यक्त किए।

संघस्थ मुनि गुरुदत्त सागर महाराज का दीक्षा दिवस भी मनाया गया। धर्मसभा के शुभारंभ में चन्द्रप्रभु डोंडाघाट महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण किया गया। समाज श्रेष्ठियों ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलित किया एवं जैन पंचायत के पदाधिकारियों ने आचार्य श्री की पूजन के पूर्व पाद प्रक्षालन किया। ब्रह्मचारी मनोज भैया ने आचार्य श्री की संगीतमय पूजन की जिसमें अर्घ्य समर्पण आदर्श महिला मंडल बड़ा मंदिर, ब्राह्मी सुन्दरी संभाग, नंदा-सुनंदा महिला मंडल, साधु वैयावृत्ति महिला मण्डल, सुधा कलश महिला मंडल, विद्या पुनीत बहु मण्डल, सुधा सिंधु संभाग, विद्यापूजन मण्डल, प्रतिभास्थली महिला मण्डल, विद्यागुरु महिला मण्डल, नीली श्राविका मण्डल, वर्धमान महिला मण्डल, पूर्णमति महिला मण्डल, जैन मिलन अरिहंत शाखा, जैन मिलन महिला मुख्य शाखा, जिनवाणी सुरक्षा ग्रुप, जनक जननी आहार विहार समिति, पाठशाला बहिनों द्वारा समर्पित किए गए। प्रतिष्ठाचार्य पं. पवन शास्त्री सागर, प्रदीप जैन बाहुबलिनगर, ब्रह्मचारिणी लवली दीदी के अतिरिक्त संघस्थ मुनि शिवदत्तसागर महाराज, सुदत्तसागर महाराज, गुरुदत्त सागर महाराज, भूदत्त सागर महाराज, मेघदत्तसागर महाराज, पदमदत्तसागर महाराज, मुनि बृषभदत्त सागर महाराज, क्षुल्लक चन्द्रदत्त सागर महाराज, श्रीदत्त सागर महाराज ने आचार्य श्री के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

36 वर्षों से गुरुओं के आशीर्वाद से हम इस पद पर हैं, इतिहास जानना जरूरी है, सत्य तो सत्य है उसे कोई ढक नहीं सकता है

राजेश पंचोलिया, इंदौर

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

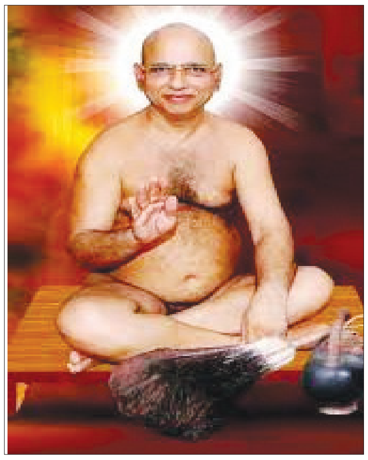

जहाजपुर। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी, आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी संघ सानिध्य और भारत के राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कोलकाता, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, गुजरात, देहली आदि अनेक राज्यों के पधारे भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति पूर्वक आचार्य श्री वर्धमान सागर जी का 36 वां आचार्य पदारोहण मनाया। बहु प्रतीक्षित घोषणा में आचार्य श्री ने समस्त अटकलों को विराम देते हुए बताया कि संघ के साधुओं की रत्नत्रय सुविधा अनुसार आषाढ़ शुक्ला चतुर्दशी को कलश स्थापना संभावित हैं। संघ का वर्षायोग टोंक जिले में संभावित रहेगा। आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी का चातुर्मास जहाजपुर में होगा। स्वस्ति धाम जहाजपुर में दूर-दूर से भक्त श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान के दर्शन करने आए हैं। भगवान के दर्शन और चरण परम पावन होते हैं, भगवान का अभिषेक या स्पर्श नहीं कर पाते हैं तो चेहरे का दर्शन से भी लाभ होता है। जैन धर्म में श्रद्धा और निष्ठा का होना बहुत जरूरी है। श्रद्धा और निष्ठा जबान से नहीं अंतरंग आत्मा से होती है। श्रद्धा के साथ निष्ठा जोड़ने से जीवन सार्थक होता है। श्रद्धा देव शास्त्र गुरु की करना चाहिए वर्तमान संसार चौरंगी दुनिया है, इस चौरंगी दुनिया में चौराहा चार गति का प्रतीक है। संसार के प्राणी को सप्तरंगी दुनिया में जाना चाहिए अर्थात् सात तत्व जीव, अजीव, आश्रव, बंध, संवर निर्जरा और मोक्ष सात तत्व होते हैं इन पर श्रद्धा एक रंगी अर्थात सम्यक दर्शन की प्राप्ति होती है। आचार्य श्री ने आगे बताया कि श्री शांतिसागर जी महाराज ने क्षुल्लक अवस्था में गिरनार पर्वत की यात्रा की। गिरनार जी में उनके वैराग्य में वृद्धि होती रही, श्री नेमिनाथ भगवान के चरणों में दुपट्टा छोड़कर स्वयं ऐलक बन गए इतिहास सत्य होता है सत्य पर आवरण कुछ दिन रहता है सत्य को कोई ढक नहीं सकता है। आचार्य श्री के कार्य को कोई ढक नहीं सकता है। आचार्य श्री शांति सागर जी के जीवन को किसी ने देखा नहीं, जीवन को समझा जाना नहीं, इतिहास तो इतिहास होता है, इतिहास को जानना चाहिए जिन्होंने जाना समझा है, वह सत्य को समझते हैं। सत्य को ढकते नहीं है सत्य छुपता भी नहीं है असत्य सामने आ रहा है, सत्य तो सत्य है। चारित्र चक्रवती आचार्य श्री शांति सागर जी 20वीं सदी के प्रथमाचार्य हैं, सन 1924 में आपने चार दीक्षा दी, आपको आचार्य बनाया गया। आचार्य श्री शांति सागर जी सन 1925 श्रवणबेलगोला में श्री बाहुबली भगवान के महामस्तकाभिषेक में शामिल हुए उसमें दीक्षा गुरु श्री देवेंद्र कीर्ति जी भी शामिल हुए, आपकी मुनिचर्या आगम अनुकूल देखकर आपके दीक्षा गुरु ने आपसे पुनः मुनि दीक्षा ली। इसी के कारण आपको गुरु नाम गुरु कहा जाता है। आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज जी आचार्य होकर चारित्र चक्रवती थे, उनकी परंपरा के आचार्य धर्मसागर जी महाराज से सन 1969 में दीक्षित आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज को आचार्य श्री अजित सागर जी के लिखित आदेश से 24 जून 1990 आषाढ़ सुदी दूज को पारसोला में आचार्य पद दिया गया। 75 वर्षीय आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का 36 वां आचार्य पदारोहण सहित समस्त भारत देश विभिन्न प्रांतों से स्वस्ति धाम जहाजपुर पधारे हजारों भक्तों और आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी की महती उपस्थिति में भक्ति और उत्साह से मनाया गया।

सर्वप्रथम झंडावंदन आदरणीय अशोक पाटनी किशनगढ़ द्वारा किया गया। पंडाल उद्घाटन सुनील जौहरी मुंबई ने किया। धर्म सभा में उपदेश के पूर्व मंडप पांडाल उद्घाटन सुनील जवेरी परिवार मुंबई, ध्वजारोहण और दीप प्रवज्जलन श्रीमती सुशीला अशोक जी पाटनी किशनगढ़, आचार्य शांतिसागर जी एवं पूर्व आचार्य के चित्र का अनावरण जहाजपुर कमेटी द्वारा तथा कलश स्थापना राजेंद्र कटारिया अहमदाबाद ने किया। विनयांजलि सभा में अनेक श्रावक श्राविकाओं, गणिनी आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने गृहस्थ अवस्था में वर्ष 1993 में, महावीर जी में वर्ष 2022 में दर्शन से प्राप्त स्नेह वात्सल्य और गुणों की मुक्त कंठ से गुणानुवाद किया। अपने आचार्य श्री से जहाजपुर में वर्षायोग करने का निवेदन किया। आ. श्री महायशमति, मुनि श्री हितेंद्र सागर जी मुनि ने अपने गुरु के प्रति विनयांजलि दी।

विशेष उपस्थिति - जैन भामाशाह आदरणीय अशोक जी पाटनी किशनगढ़, परिवार सहित उपस्थित रहे। श्री अशोक सेठी बैंगलोर, श्री राजेंद्र कटारिया, श्री राजेश शाह अहमदाबाद, श्री विवेक काला जयपुर, श्री भरत, श्री किशोर इंदौर, श्री विनोद पाटनी, श्री संजय पापड़ीवाल, महेंद्र, विमल पाटनी, गौरव पाटनी किशनगढ़, श्री सुबोध छाबड़ा राजनांदगांव, श्री सुनील जवेरी मुंबई, श्री राजकुमार सेठी, श्री राकेश सेठी जयपुर आदि उपस्थित रहे। 28 जून को आचार्य संघ का मंगल बिहार टोंक जिले के लिए हो गया।

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी का 36वां आचार्य पदारोहण दिवस मनाया

रविन्द्र काला, संवाददाता, बूंदी

बूंदी, 30 जून। मधुबन कॉलोनी स्थित मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पंचम पट्टाधीश राष्ट्र गौरव वात्सल्य वारिधि तपोनिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर महाराज का 36वां आचार्य पदारोहण दिवस मनाया। इस अवसर पर मुनि सुप्रभ सागर महाराज ने गुणानुवाद करते हुए धर्मसभा में कहा कि आज के समय पर परिवारजनों का एक साथ चलना मुश्किल हो रहा है। जबकि आचार्यश्री 36 पिच्छिधारी साधुओं को साथ लेकर चल रहे हैं जो एक बहुत बड़ी बात है। धर्म का मार्ग व मोक्ष का मार्ग को प्रशस्त कराने में धर्मगुरुओं का बहुत बड़ा योगदान रहता है। आचार्य श्री ने जीवन में कई उपसर्गों को सहन करते हुए अग्नि परीक्षा में आगे बढ़े। मुनिश्री ने कहा कि आचार्य वर्धमान सागर महाराज आचार्य शांतिसागर महाराज की जैन परम्परा का निर्वाह करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। धर्मसभा में वैराग्य सागर महाराज ने कहा कि जिस धर्म में धर्मगुरु नहीं होते वह धर्म समाप्ति की ओर बढ़ जाता है और उन्होंने आचार्य वर्धमान सागर महाराज का गुणवाद किया। मधुबन महिला मण्डल, देवपुरा महिला मण्डल, नागदी बाजार महिला मण्डल, गुरुनानक कॉलोनी महिला मण्डल, सकल जैन समाज महिला मण्डला ने आचार्यश्री की अष्ट द्रव्यों से पूजा की। आचार्य पदारोहण पर राजकुमार जैन एवं रविन्द्र काला व मंत्री नमन जैन ने भी वर्धमान सागर महाराज का गुणानुवाद किया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम मंगलाचरण सीमा कोटिया ने किया तथा दीप प्रज्वलन कैलाश धनोप्या, अध्यक्ष दुर्लभ जैठानिवाल, निदेशक मनीष जैन धोवड़ा वालों, पूरबचंद ने किया। दोनों मुनिराजों को शास्त्र भेंट किया गया। संचालन नमन जैन ने किया।

गरिमा गंभीर चातुर्मास - 2025

करबद्ध अग्रिम निमंत्रण

आप सभी को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि परम पूज्य आर्यिकारत्न श्री गरिमामति माताजी, गंभीरमति माताजी ससंघ का चातुर्मास स्थापना दिवस समारोह दिनांक 13 जुलाई 2025 रविवार को दिन के 1.30 बजे से दिसपुर मन्दिर जी के नवनिर्मित ग्राउंड फ्लोर में अत्यंत भक्तिमय वातावरण में विपुल श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। दिसपुर चातुर्मास हेतु पूज्य गुरुमां ससंघ का दिनांक 27.06.25 शुक्रवार को प्रातः 5.15 बजे श्री सरोज जी चूड़ीवाल के निवास - स्थान (Bora Service के सामने) से रवाना होकर दिसपुर बाहुबली भवन में सुबह ठीक 7.15 बजे भव्य मंगल प्रवेश होगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी समय से दे दी जाएगी। आप साधर्मी सभी समाज, बंधु/भाई-बहन सादर आमंत्रित हैं। कृपया अभी से ही भाव बनाएं एवं पुण्यार्जन की शुरुआत करें। झंडा फहराने का सौभाग्य भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय मंत्री श्री अजीत कुमार जी चांदूवाड़ के द्वारा फेरा जाएगा, दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य दुबरी जैन समाज के अध्यक्ष अजय कुमार कानूनगो द्वारा किया जाएगा। वात्सल्य भोजन की व्यवस्था संजय कुमार जी बड़जात्या (दिसपुर वाले) की तरफ से की गई।

-विनीत - प्रदीप रारा (अध्यक्ष), विनोद छाबड़ा (मंत्री), श्री दिगम्बर जैन समाज, दिसपुर।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
With Best Compliments from
ASHOKA FURNISHINGS
a complete furnishing store
Babu Bazar, Fancy Bazar
GUWAHATI- 781001
0361- 2514118, 2637326Fax : 0361- 2637325
Sanmati Plaza, G. S. Road. Guwahati-781005 2457801, 2457802

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
VIJAY KUMAR GANGWAL
CROWN Enterprises Pvt. Ltd.
GUWAHATI-781001
Phone : 2517274, Mobile : 98640-20611
e-mail : distribution@crownenterprisesprivatelimited.com

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी चरण स्पर्श, मेरी उम्र 45 वर्ष है, मगर पिछले 3 साल से मुझे गैस बहुत बन रही है, क्या उपाय करूं? - रिशांक लाल, इल्द्वानी

उत्तर - रिशांक जी, आपकी कुंडली में चल रही नीच के गुरू की दशा के कारण ऐसा हो रहा है, आप चने की दाल का दान करें तथा श्री आदिनाथ जी का चालीसा पढ़ें।

प्रश्न 2. गुरूजी जय जिनेन्द्र, मेरे पुत्र की उम्र 14 वर्ष है मगर वह हर वक्त गुमसुम रहता है - अनीता, दिल्ली

उत्तर - अनीता जी, आप अपने पुत्र को रोजाना पार्श्वनाथ स्तोत्र सुनायें तथा माणिक्य का लॉकेट रविवार को गले में धारण करायें।

प्रश्न 3. गुरूजी, मैं पिछले 5 साल से गाड़ियों का व्यापार कर रहा हूं मगर नुकसान हो रहा है - चित्रेश, दिल्ली

उत्तर - चित्रेश जी, आप अगर कपड़े का व्यापार करेंगे तो निश्चित रूप से फायदा होगा।

प्रश्न 4. गुरूजी, चरण स्पर्श! मेरे सिर में हमेशा दर्द रहता है यह किसी गम्भीर बीमारी का लक्षण तो नहीं है? - प्राची जैन, देहरादून

उत्तर - प्राची जी, आप रोजाना सूर्य उदय के समय श्री पदमप्रभु चालीसा पढ़ें और ओपल रत्न का लॉकेट शुक्रवार को धारण करें, लाभ होगा।

गुरु जी से संपर्क सूत्र-
9990402062
8826755078

TATA PLAY 1086 | dish tv 1109 | DEN 266 | आदिनाथ टी.वी. | d2h 1217 | airtel 700 | hathway 842
एवं अन्य सभी टीवी केबल पर उपलब्ध

आज का राशिफल
जैन ज्योतिषाचार्य
रवि जैन गुरूजी
द्वारा
'आदिनाथ चैनल' पर प्रतिदिन
प्रातः 05:55 बजे
दोपहर 02:15 बजे
संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.)
विवाह, मकान, व्यापार, संतान, प्रमोशन, परीक्षा, विदेश यात्रा आदि समस्याओं का समाधान जैन आगम के अनुसार प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें :
1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली - 32
M. 011 22325069, 9990402062, 8826755078

प्रसिद्ध समाजसेवी श्री रमेश चंद जी जैन का स्वर्गवास पर श्रद्धांजलि सभा

महीपाल जैन पहाड़िया

प. पू. आचार्य रत्न श्री 108 बाहुबली जी महाराज के परम भक्त, सिद्धांत क्षेत्र तीर्थ शिकोहपुर के परम संरक्षक एवं महामंत्री, जैन समाज गुरुग्राम के पूर्व प्रधान, देव शास्त्र गुरु के प्रति अटूट निष्ठा और मानवीय संवेदना से ओतप्रोत प्रसिद्ध समाजसेवी श्री रमेश चंद जी जैन 21 जून 2025 को अचानक ही हम सबके बीच से देवलोक गमन कर गए। उनकी मृत्यु का हृदय विदारक समाचार प्राप्त कर संपूर्ण जैन समाज गुड़गांव छब्बी में शोक की लहर दौड़ गई। 26 जून 2025 को कोरस बैंकट हॉल में उनकी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। अनेक राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिष्ठित अधिकारी और अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। सभी की आंखें नम थीं, जितने भी वक्ताओं ने अपने वक्तव्य दिए उन सभी ने उनके आदर्श व्यक्तित्व, मुनि भक्ति का परिचय बड़ी उदारता से दिया। श्री रमेश जी जैन जब तक रहे पर उपकार के कार्यों में संलग्न रहे। आचार्य रत्न श्री 108 बाहुबली महाराज के परम भक्त होने के साथ ही अनेक आचार्य एवं उपाध्यायों व आर्यिका संघ के सदैव एक आज्ञाकारी धर्मनिष्ठ श्रावक की तरह हमेशा उपस्थित रहते थे। उन्होंने अनेक मंदिरों के जीर्णोद्धार में तन मन धन से अपना सहयोग दिया, अनेक मंदिर निर्माण एवं पंच कल्याणक उनकी अध्यक्षता में हुए। उनकी साधुओं के प्रति विशेष निष्ठा के कारण अनेक आचार्य भगवान, उपाध्याय परमेष्ठि, मुनि महाराज एवं आर्यिका माता का आशीर्वाद आज भी उनके परिवार को मिला। कार्य कैसा भी हो समय कितना भी कठिन हो रमेश जी ने कभी हिम्मत नहीं हारी। वह अपने साथ-साथ दूसरों को भी ऊर्जा प्रदान करते थे, सच में कहें तो वह अपने मानव जन्म को सफल करने के लिए हर संभव प्रयास करके गए हैं। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति उनके अद् भुत और विलक्षण कार्य को देखकर सुनकर विनम्रता से सर झुकाए हुए था। रमेश जी के सुपुत्र संदीप जैन भी अपने पिता के आदर्शों को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर उनके पद चिन्हों पर चलते हैं, समाज में एक बड़ा मुकाम उन्हें भी हासिल है। जैन समाज गुरुग्राम के प्रधान के रूप में सेवा की, पिता की ही तरह देशहित कार्य, धर्म हित कार्य करने में सदैव संलग्न रहते हैं। इस सभा में श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जी गंगवाल ने भी रमेश जी के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि ऐसे लोग सदियों में जन्म लेते हैं, इनके अतिरिक्त श्री कमल यादव जी (जिला अध्यक्ष बीजेपी), विधायक श्री मुकेश शर्मा जी, अखिल भारत तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्मू प्रसाद जी, श्री पवन गोधा जी, श्री राकेश जैन प्रधान सिद्धांत क्षेत्र, श्री नरेश जैन प्रधान दिगंबर जैन समाज, श्री उत्तम चंद जैन महामंत्री सेक्टर 4, संदीप जैन सचिव श्वेताम्बर जैन समाज गुरुग्राम ने भी अपने-अपने विचारों में रमेश जी की और उनके कार्यों की अत्यंत सराहना की और कहा कि समाज को उनसे सीखना चाहिए। वहां उपस्थित विशाल जन समुदाय में श्री मुकेश जैन अध्यक्ष देहरा तिजारा, भारत विकास परिषद गुरुग्राम अध्यक्ष डॉ. मंदीप गोयल, डॉ. ज्योत्सना जैन महामंत्री महिला महासभा, डॉक्टर निर्मल जैन महामंत्री श्रुत संवर्धिनी, श्री रमन जैन चेयरमैन जीतो नॉर्थ, श्री शैलेश जैन प्रेसिडेंट जीतो गुरुग्राम, श्री हितेश जैन प्रेसिडेंट महावीर इंटरनेशनल, श्री अनिल जैन रोटरी क्लब, श्री राज कमल यादव, श्री आशीष गुप्ता निगम पार्षद, श्री पवन सैनी निगम पार्षद, श्री जगन नाथ मंगला प्रेसिडेंट ळ्प, इत्यादि की उपस्थिति अनेक गणमान्य सहित उस विशाल जन समुदाय में रही।

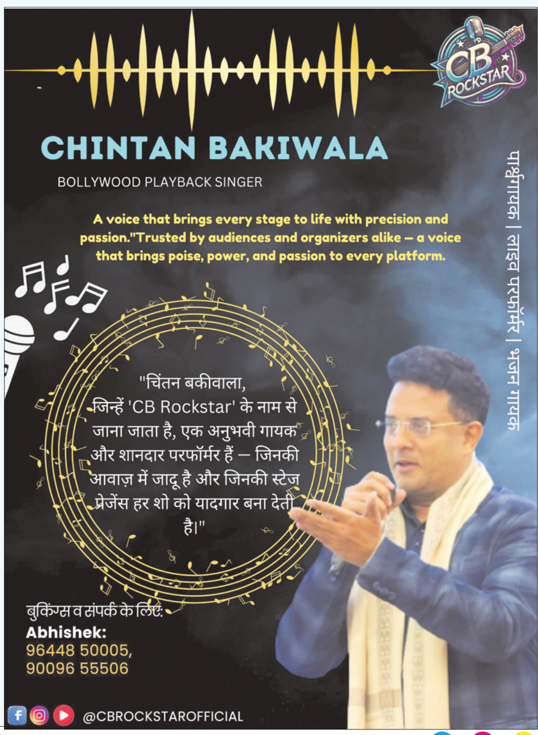

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट' के पक्ष में पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर शाखा, लखनऊ- 226004 उ.प्र. में सेविंग खाता संख्या 2405000100102500 (RTGS/NEFT IFSC CODE - PUNB 0185600) में आनलाइन/चैक द्वारा जमा कराकर डिपोजिट स्लिप सहित अपने पूर्ण नाम-पते, पिन कोड सहित निम्न पते/वाट्सअप/ईमेल पर भेजकर सूचित करने की कृपा करें-

जैन गजट कार्यालय- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004
मोबा./वाट्सअप- 7607921391, मोबा. 7505102419
Email: jaingazette2@gmail.com

DOLPHIN WATERPROOFING
आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।
छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction
RAJENDRA JAIN

DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT
Dr. Fixit Authorised Project Applicator
Mo. 80036-14691
116/194, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एक्सप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर लोर मिल्स कपाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, सपादक -सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
डॉ. सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र. रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क-
7607921391, 7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें

प्रधानमंत्री जी ने आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज पर डाक टिकट एवं चांदी का सिक्का जारी किया

आचार्य श्री के जन्म सदी वर्ष का हुआ शुभारंभ

दिल्ली, 28 जून। आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष के शुभारंभ के पावन अवसर पर राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में एक भव्य गरिमामयी कार्यक्रम में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा राष्ट्रसंत श्री विद्यानंद जी महाराज पर एक 5 रूपए मूल्य वर्ग का स्मारक डाक टिकट एवं 100 रूपए का स्मारक चांदी का सिक्का जैनाचार्य श्री प्रज्ञ सागर जी महाराज के सानिध्य में जारी किया।

इस अवसर पर श्रवणबेलगोला के भट्टारक स्वस्ति श्री चारूकीर्ति स्वामी जी, पर्यावरण एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं राज्य सभा सदस्य नवीन जैन भी उपस्थित थे। आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज के सानिध्य में भगवान महावीर स्वामी का 2500वां निर्वाणोत्सव और 2600वां जन्म कल्याणक महोत्सव सम्पूर्ण भारतवर्ष में जैन धर्म के सभी सम्प्रदायों ने मनाया था। 2500वें निर्वाणोत्सव के दौरान जैन प्रतीक एवं जैन ध्वज के संयोजन में आपकी महती भूमिका रही। वहीं भारतीय भाषाओं एवं भारत की प्राचीन भाषा प्राकृत के उत्थान में आपके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

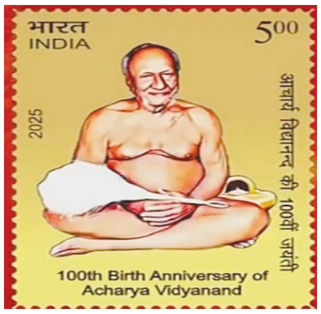

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदीजी बोले, जो हमें छेड़ेगा...

दिल्ली, 28 जून। पीएम मोदी ने जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित एक समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके महान कार्यों को याद किया। पीएम ने कहा कि सरकार की कई योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत अचार्य विद्यानंद महाराज के विचारों प्रेरित हैं और सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे ताकि कोई भी वंचित न रह जाए।

इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया। हालांकि आचार्य श्री की स्मृति में अगले एक साल तक अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। परम श्रद्धेय आचार्य प्रज्ञ सागर महाराज जी, श्रवणबेलागोला के भट्टारक स्वामी चारूकीर्ति जी ने चन्दन की माला पीएम मोदी जी को भेंट की। भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री आकाश जैन जी ने पीएम मोदी जी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी, सांसद भाई नवीन जैन जी, श्री सुखराज सेठिया, श्री धर्मेन्द्र सेठी, श्री पवन गोधा, श्री नवीन जैन, श्री राजेश जैन, श्री जिनेन्द्र जैन, श्री स्वराज जैन, श्री धीरज कासलीवाल, भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट के प्रेसिडेंट प्रियंक जैन जी, सेक्रेटरी ममता जैन जी, ट्रस्टी पीयूष जैन जी, श्री सुमित जैन आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने आज विद्यानंद महाराज द्वारा प्राकृत भाषा के लिए किए गए योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि प्राकृत भाषा दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यता इसलिए है क्योंकि हमारे संतों के अमर विचार इसे जीवंत रखते हैं। प्राकृत दुनिया की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है, जो भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा भी रही है। पीएम ने बताया कि उनकी सरकार ने पिछले साल प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देकर इसे नया सम्मान दिया है। इस मौके पर मोदी जी का कहना था कि जैन धर्म से जुड़े प्राचीन ग्रंथों और पांडुलिपियों को डिजिटल करने का अभियान भी तेजी से चल रहा है ताकि आने वाली पीढ़ियों को अपनी समृद्ध विरासत की जानकारी मिल सके। इस मौके पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आपरेशन सिंदूर का भी जिक्र करते हुए जैसे ही कहा जो हमें छेड़ेगा...... वैसे ही वहां मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाई। उन्होंने बताया कि एक जैन संत ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा करते हुए आशीर्वाद दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हमेशा अहिंसा का मार्ग दिखाया है और सेवा की भावना हमारी संस्कृति का मूल हिस्सा है। वहीं पीएम ने अपने नौ संकल्पों की दोहराते हुए लोगों से उनके पालन की अपील की। उन्होंने कहा कि पानी बचाएँ, मां की याद में पेड़ लगाएँ, स्वच्छता रखें, लोकल उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं, देश के अलग-अलग हिस्सों में घूमें, प्राकृतिक खेती अपनाएं, स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएं, खेल और योग करें और गरीबों की मदद करें। पीएम ने कहा कि ये संकल्प देश को विकास की नई उंचाइयों पर ले जाएंगे और भारत को गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह आजाद करेंगे।

णमोकार तीर्थ में 26 फरवरी को होगा जैन धर्म का महाकुंभ मेला

विनोद पाटणी
संवाददाता

सारस्वताचार्य, सर्वोदयी, राष्ट्रसंत जैसी अनेक उपाधियां प्राप्त आचार्य श्री देवनंदिजी महाराज को कोल्हापुर के पास कुंथुगिरी तीर्थक्षेत्र में रहते हुए एक भव्य और दिव्य तीर्थ बनाने का सपना आया था। आचार्य श्री को देश-विदेश में मानने वाला एक बड़ा भक्त परिवार है। भक्तों को चांदवड तालुका के मालसाने गांव के पास बारह हजार साल पहले श्री रामचंद्र के पदस्पर्श से पवित्र हुई रामटेकड़ी की जगह मिली। मंदिर बनाने के लिए किसानों ने तुरंत जगह उपलब्ध करा दी और 6 फरवरी 2013 को आचार्य श्री का कुंथुगिरी से इस जगह पर आगमन हुआ। 8 फरवरी 2014 को काम का शुभारंभ किया गया। आचार्य श्री के सानिध्य और मार्गदर्शन में महाराष्ट्र के नाशिक डिस्ट्रिक्ट में मालसाने तालुका चांदवड के पास भव्य और दिव्य णमोकार तीर्थ का निर्माण कार्य शुरु हुआ है। इस तीर्थ पर अगले वर्ष 2026 फरवरी में भव्य अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह घोषणा भारत गौरव गणधराचार्य आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज ने वरूर हुबली में चल रहे पंचकल्याणक कार्यक्रम में सैकड़ों साधु-साध्वी, णमोकार तीर्थ भक्त परिवार और लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में की। नाशिक के कुंभ मेले से पहले जैन धर्म का भव्य महाकुंभ मेला आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के लिए देश-विदेश से लाखों जैन बंधु उपस्थित रहेंगे, ऐसी जानकारी णमोकार तीर्थ के अध्यक्ष नीलम अजमेरा ने दी। नाशिक डिस्ट्रिक्ट में मुबंई चांदवड तालुका के मालसाने गांव के पास पिछले बारह वर्षो से 27 एकड़ जगह में भव्य और दिव्य णमोकार तीर्थ का निर्माण हो रहा है। साढ़े पांच एकड़ जगह में 108 फुट ऊंचा समवशरण, इस समवशरण में त्रिकाल चौबीसी, सहस्त्रकूट जिनालय, 24 तीर्थंकर जिनालय, चारों दिशाओं में 4 मानस्तंभ, चार कोनों में क्षेत्रपाल, बाहुबली सप्तर्षि और सम्मेद शिखरजी की रचना तैयार की जाएगी। इसमें आठ भूमियाँ होंगी, जिनमें श्री मंडप, ध्वज, लताभूमि, खातिका भूमि, गोलाकार जल भूमि और नौकायन, अशोक वृक्ष, जैन धर्म पर आधारित 10 हजार प्रश्न बैंक शामिल हैं।

समवशरण में निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। समवशरण के बाहर आचार्य श्री कुंथुसागर महाराज गुरु मंदिर, जे. बी. ट्रेडर्स आहार भवन, नवीन जैन भोजनालय, 25 हजार वर्ग फुट का भव्य पंच परमेष्ठी मंडप, श्री आदिनाथ, भरत, बाहुबली, नेमीनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर भगवान की सुंदर 31 फुट मूर्तियां, 51 फुट भव्य अरिहंत भगवान सहित 31 फुट ऊंची पंचपरमेष्ठी भगवान की मूर्तियां, त्रिकाल चौबीसी और सैकड़ों जिन प्रतिमाओं का पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 6 फरवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक होगा। इसके बाद 13 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक महामस्तकाभिषेक, नौ मुनियों के आचार्य पद संस्कार, नए श्रावक-श्राविकाओं की दीक्षा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। 100 से अधिक एकड़ भूमि में यात्रियों के लिए 1000 रूम (टेन्ट) की व्यवस्था की जायेगी।

इस कार्यक्रम के लिए देश के कोने-कोने से 25 से अधिक महान आचार्य, सौ से अधिक साधु-साध्वी, भट्टारक विधानाचार्य, सौधर्म इंद्र, चक्रवर्ती, यज्ञनायक, राजा-महाराजा इस महोत्सव में शामिल होंगे। साथ ही राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा, ऐसी जानकारी बाल ब्रह्मचारिणी वैशाली दीदी ने दी है।

इस भव्य और दिव्य कार्यक्रम के लिए अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक समिति की स्थापना की गई है। जल्द ही णमोकार तीर्थ में भक्त परिवार की बैठक आयोजित की जाएगी और विभिन्न समितियों की स्थापना कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी।

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92
Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on Every Monday, wednesday and thursday
डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233, 7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
....
....
....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)
वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।